आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 81 | उज्जैन, मंगलवार 11 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

अंग दान है कई लोगों को जीवन देने का पुनीत कार्य-मुख्यमंत्री

राज्य सरकार करेगी अंग प्रत्यारोपण, अंग दान और देह दान जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एम्स भोपाल में हुए मध्य भारत के पहले हार्ट ट्रांसप्लांट से पुनर्जीवन प्राप्त करने वाले मरीज श्री दिनेश मालवीय से उनकी कुशलक्षेम पूछी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उपलब्धि के लिए एम्स भोपाल की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गत दो वर्ष से श्री मालवीय हृदय रोग से पीड़ित थे। उपचार से मिली राहत से श्री मालवीय प्रसन्न है।

अंगदान किस प्रकार लोगों को जीवन देने का माध्यम बनता है, यह ट्रांसप्लांट इस तथ्य को स्पष्टत- दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि नर्मदापुरम निवासी श्री मालवीय 22 जनवरी को एम्स भोपाल में भर्ती हुए और 23 जनवरी को उनका हार्ट ट्रांसप्लांट किया गया। अब वे पूर्णतः स्वस्थ है, संभवतः कल तक उन्हें डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एम्स के डॉक्टरों व संपूर्ण टीम को उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देते हुए कहा कि मानवता की सेवा के लिए टीम द्वारा किया गया कार्य प्रदेश को गौरवांवित करने वाला है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान युग में अंग प्रत्यारोपण, अंग दान, देह दान जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। एक देह दान से लगभग 9 डॉक्टर्स को चिकित्सा संबंधी कई बारीकियों को व्यावहारिक रूप से सीखने में सहायता मिलती है। चिकित्सा शिक्षा के उद्देश्य से मेडिकल कॉलेजों के साथ आयुर्वेदिक महाविद्यालयों में भी पार्थिक देह की आवश्यकता होती है।

राज्य शासन द्वारा देह दान के लिए परिवारों में जागरूकता लाने और उन्हें इस पुनीत कार्य के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। देह दान की पूर्व सूचना देने वालों को राज्य शासन की ओर से सम्मानित किया जाएगा। अंतिम संस्कार के लिए गृह विभाग से समन्वय कर उपयुक्त व्यवस्था की जाएगी। अंग दान की पूर्व सूचना देने वाले व्यक्तियों को 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर सम्मानित किया जाएगा।

तिरुपति लड्डू मामले में सीबीआई का बड़ा एक्शन, मिलावट मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने श्रीवेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भक्तों को प्रसाद के रूप में दिए जाने वाले प्रसिद्ध तिरुपति के लड्डू में मिलावट के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान विपिन जैन, पोमिल जैन, अपूर्व चावड़ा और राजू राजशेखरन के रूप में की गई है।

पांच सदस्यीय एसआईटी ने की जांच- सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने पिछले साल नवंबर में तिरुपति के लड्डू बनाने में जानवरों की चर्बी के इस्तेमाल के आरोपों की जांच के लिए पांच सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था। टीम में केंद्रीय एजेंसी के दो अधिकारी, आंध्र प्रदेश पुलिस के दो और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) का एक अधिकारी शामिल था।

सुब्रमण्यम स्वामी ने दाखिल की थी याचिका- भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी और वाईएसआरसीपी के राज्यसभा सांसद वाइवी सुब्बा रेड्डी समेत अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि लड्डू बनाने में जानवरों की चर्बी के इस्तेमाल के आरोप की जांच एसआईटी द्वारा की जाएगी और इसकी निगरानी सीबीआई निदेशक करेंगे।

नामी उद्योगपति को नाती ने चाकू से गोदा, 70 बार किया वार; आखिर क्या थी हमले की वजह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक नाती ने ही अपने नाना की 70 बार चाकू से वार करते हुए बेरहमी से हत्या कर दी। वेलजन ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के 86 वर्षीय संस्थापक की उनके घर पर हत्या कर दी गई। इस दौरान आरोपी बेटे को रोकने की कोशिश में मां भी घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि, 29 वर्षीय कीर्ति तेजा ने संपत्ति को लेकर तीखी बहस के बाद गुरुवार आधी रात को अपने 86 साल के नाना वीसी जनार्दन राव को चाकू मार दिया।

रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि तेजा को पैतृक संपत्ति में उनके हिस्से के रूप में 4 करोड़ रुपये दिए गए थे।

तेजा ने कथित तौर पर अपने नाना पर प्रॉपर्टी का ठीक से बंटवारा न करने का आरोप लगाते हुए उनका विरोध किया था।

किलारू कीर्ति तेजा ने कथित तौर पर अनुचित संपत्ति वितरण का दावा करते हुए वेलजन समूह के अध्यक्ष राव पर हमला किया।

इस विवाद के बाद बहस ज्यादा बढ़ गई और गुस्से में आकर तेजा ने कथित तौर पर राव पर कई बार चाकू से वार किया। उनके शरीर पर चाकू के कुल 70 घाव थे।

मजबूत होकर ही हम बेहतर विश्व, कर्नाटक मे एयरो इंडिया 2025 के उद्घाटन के बाद क्या बोले राजनाथ सिंह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में येलहंका एयरफोर्स स्टेशन पर एयरो इंडिया 2025 का 15वां संस्करण का समारोह चल रहा है। इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने संबोधित भी किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एयरो इंडिया 2025 का उद्घाटन किया। उन्होंने एयरो इंडिया 2025 का उद्घाटन करने के बाद कहा कि सुरक्षा की कमजोर स्थिति में कभी भी शांति हासिल नहीं की जा सकती और मजबूत होकर ही हम बेहतर विश्व व्यवस्था के लिए काम कर पाएंगे।

वैश्विक अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एक बड़े देश के रूप में भारत हमेशा शांति और स्थिरता का समर्थक रहा है।

भारतीय सुरक्षा को लेकर क्या बोले राजनाथ सिंह - राजनाथ सिंह ने कहा, हमारे लिए, कोई भारतीय सुरक्षा या भारतीय शांति अलग-थलग नहीं है। सुरक्षा, स्थिरता और शांति राष्ट्रीय सीमाओं से परे साझा संरचनाएं हैं। (एयरो इंडिया में) विदेशी देशों से हमारे दोस्तों की मौजूदगी इस तथ्य का प्रमाण है कि हमारे साझेदार एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के हमारे दृष्टिकोण को साझा करते हैं।

हमें मजबूत होना होगा- राजनाथ सिंह ने आगे कहा, सुरक्षा की कमजोर स्थिति में शांति कभी हासिल नहीं की जा सकती। शांति का वट वृक्ष शक्ति की जड़ों पर ही खड़ा हो सकता है। मेरा मानना है कि हम सभी को एक साथ मजबूत होना होगा, तभी हम शांति सुनिश्चित कर पाएंगे। मजबूत होकर ही हम बेहतर विश्व व्यवस्था के लिए काम कर पाएंगे।

नए भारत की सैन्य ताकत और आत्मनिर्भरता की झलक देखेगी दुनिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अत्याधुनिक सैन्य साजोसामान का प्रदर्शन कर पूरी दुनिया को अपनी ताकत दिखाने को तैयार है। बेंगलुरु के येलहंका में सोमवार से शुरू होने वाले एशिया के सबसे बड़े एयर शो एयरो इंडिया में दुनिया नए भारत की सैन्य ताकत और आत्मनिर्भरता की झलक देखेगी। दो साल के अंतराल पर आयोजित होने वाले 15वें एयरो इंडिया की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

रक्षा मंत्री करेंगे इंडिया पवेलियन का उद्घघाटन- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को एयरो इंडिया 2025 में इंडिया पवेलियन का उद्घाटन करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि एयरो इंडिया नवाचार, रणनीतिक सहयोग और एयरोस्पेस और रक्षा में उत्कृष्टता के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। 42 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में आयोजित और 150 विदेशी कंपनियों सहित 900 से अधिक प्रदर्शकों की भागीदारी के साथ, यह अब तक का सबसे बड़ा एयरो इंडिया होने वाला है।

भारत की ताकत की दिखेगी झलक- 10-14 फरवरी तक होने वाले इस शो में नए भारत की ताकत, और आत्मनिर्भरता की झलक दिखेगी। रविवार को बेंगलुरु पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस एयरशो में 90 से अधिक देशों की भागीदारी भारत की एयरोस्पेस और रक्षा क्षमताओं में बढ़ते वैश्विक विश्वास का प्रमाण है।

एयरो इंडिया मजबूत, सक्षम, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा।

रोहिंग्याओं को दिल्ली में क्यों मिल रही सुविधाएं? सुप्रीम कोर्ट में सोमवार होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में सरकारी योजनाओं का लाभ अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्याओं को देने की मांग का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। सर्वोच्च अदालत इन कथित रोहिंग्या शरणार्थियों की ओर से एक एनजीओ की याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा।

इसके लिए अदालत ने पहले ही केंद्र और दिल्ली सरकार को इस संबंध में अपना हलफनामा देने को कहा है।

केरल की लड़की ने सुनाई कविता, हिंदी सुन कायल हुए PM मोदी; पूछा ये सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज परीक्षा पे चर्चा की। उन्होंने इसके आठवें एडिशन में 10वीं ओर 12वीं के स्टूडेंट्स से बोर्ड एग्जाम्स को लेकर बातचीत की। साथ ही उन्होंने इस दौरान कई चीजों को लेकर बात की। अब आपको बताते हैं परीक्षा पे चर्चा से जुड़ी ऐसी बात जो पीएम मोदी के दिल को छू गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को परीक्षा पे चर्चा के 2025 संस्करण के दौरान उस समय सुखद आश्चर्य हुआ जब केरल के एक छात्र ने उनका अभिवादन करते हुए शुद्ध हिंदी बोली। प्रधानमंत्री स्कूली छात्रा से यह पूछने से खुद को नहीं रोक सके कि वह इतनी अच्छी हिंदी कैसे बोल लेती है।

पीएम मोदी से क्या बोली छात्रा- छात्रा आकांशा ने कहा, मुझे हिंदी बहुत पसंद है। जब प्रधानमंत्री ने पूछा कि वह इतनी अच्छी भाषा कैसे सीख लेती हैं, तो आकांशा ने जवाब दिया कि वह हिंदी में कविता भी लिखती हैं।

आकांशा ने फिर पंक्तियां पढ़ीं- इतना शोर है बाजारों में, इतना शोर है गलियों में, क्यों तू अपना कलाम लेकर बैठा है फिर एक गजल लिखने, फिर उस किताब के पन्नों पर तू लिखना क्या चाहता है, ऐसा क्या है तेरे मन में, सवाल भरे तेरे मन में एक स्याही। शायद जवाब लिख रही है, फिर क्यों तू आसमान देखता है, सितारों में ऐसा क्या है, तेरे मन में ऐसा क्या है।

पंक्तियां एक लेखक के परस्पर विरोधी विचारों को दर्शाती हैं जब वह शब्दों को कागज पर लिखता है।

परीक्षा के तनाव से निपटने को लेकर चर्चा- हिंदी, जो मुख्य रूप से उत्तर भारत में बोली जाती है, दक्षिणी राज्यों, विशेषकर तमिलनाडु में एक संवेदनशील विषय है। क्षेत्रीय नेता अक्सर नरेंद्र मोदी सरकार पर दक्षिणी राज्यों पर भाषा थोपने की कोशिश करने का आरोप लगाते रहे हैं। सरकार ने ऐसे आरोपों को खारिज कर दिया है।

यह परीक्षा पे चर्चा का आठवां संस्करण है, जो छात्रों के साथ बातचीत करने और उन्हें परीक्षा के तनाव से निपटने और उनकी तैयारी की योजना बनाने में मदद करने के लिए प्रधान मंत्री की एक पहल है।

अब स्टील-एल्युमीनियम इंपोर्ट पर 25 फीसदी टैरिफ लगाएगा अमेरिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से सत्ता संभाली है, तब से वो एक्शन मोड में हैं। चाहे थर्ड जेंडर खत्म करने की बात हो या मेक्सिको बोर्डर पर इमरजेंसी लगाने की घोषणा, ट्रंप के फैसले ने सभी को चौंकाया है।

ट्रंप ने चीन पर टैरिफ लगाकर ट्रेड वार की भी शुरुआत कर दी है। इस बीच टैरिफ को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ने आज एक और बड़ा फैसला लिया है।

दरअसल, ट्रंप ने अपनी व्यापार नीति में एक और बड़ा बदलाव करते हुए सभी स्टील और एल्युमीनियम आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने घोषणा की कि ये टैरिफ अतिरिक्त धातु शुल्कों के अतिरिक्त होगा। ये कब से लागू होगा, इसका खुलासा इस सप्ताह के अंत में होने की उम्मीद है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कनाडा, ब्राजील और मैक्सिको अमेरिकी स्टील आयात के सबसे बड़े स्रोत हैं। इसके बाद दक्षिण कोरिया और वियतनाम सबसे ज्यादा आयात करते हैं। वहीं, कनाडा प्राथमिक एल्यूमीनियम धातु को अमेरिका को भेजने वाला सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश है। 2024 के पहले 11 महीनों में कुल आयात का 79 प्रतिशत कनाडा से ही आया है। मेक्सिको एल्यूमीनियम स्क्रैप और एल्यूमीनियम मिश्र धातु का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। अब ट्रंप के फैसले से दोनों देशों को बड़ा नुकसान होने वाला है।

भारत पर क्या होगा असर- दूसरी और ट्रंप के स्टील और एल्युमीनियम आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले का भारत पर ज्यादा असर नहीं होगा। दरअसल, भारत ज्यादा आयात नहीं करता है।

रविवार को न्यू ऑरलियन्स में पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रंप ने यह भी कहा कि वे मंगलवार की शुरुआत में पारस्परिक टैरिफ की घोषणा करेंगे, जो तुरंत प्रभावी होंगे।

हालांकि, रिपब्लिकन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि पारस्परिक टैरिफ किस पर लगाया जाएगा, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ दरों से मेल खाएगा और यह सभी देशों पर लागू होगा।

ट्रंप ने बताया टैरिफ लगाने का कारण- ट्रंप ने कहा कि 2016-2020 के अपने पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने स्टील पर 25 प्रतिशत और एल्युमीनियम पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, लेकिन बाद में कनाडा, मैक्सिको और ब्राजील सहित कई व्यापारिक साझेदारों को शुल्क-मुक्त कोटा प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने इन कोटा को ब्रिटेन, जापान और यूरोपीय संघ तक बढ़ा दिया और हाल के वर्षों में अमेरिकी स्टील मिल की क्षमता का उपयोग कम हो गया है। इसके चलते ये फैसला लिया गया।

बांग्लादेश को चुभ गई भारत की बात, आखिर बुलडोजर एक्शन पर क्यों आगबबूला हुए मोहम्मद यूनुस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंसा को लेकर अंतरिम पीएम मोहम्मद यूनुस हमेशा से सवालों के घेरे में रहते हैं। अब बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के आवास को ध्वस्त करने को लेकर भारत ने कड़े सवाल किए हैं, जिसपर यूनुस सरकार को मिर्ची लग गई है।

भारत की बात पर बांग्लादेश को लगी मिर्ची- दरअसल, भारत ने शेख मुजीबुर रहमान के ऐतिहासिक आवास को तोड़ने पर दुख व्यक्त करते हुए घटना की निंदा की थी। भारत की इस बात पर मोहम्मद यूनुस आगबबूला हो गए। बांग्लादेश ने इस घटना पर भारत की टिप्पणी को गलत और अनुचित बताया।

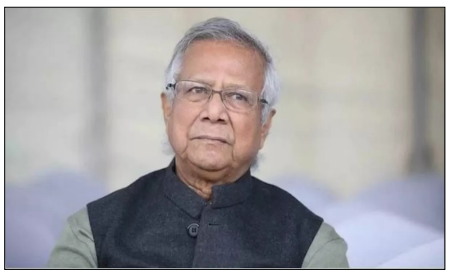

बांग्लादेश सरकार ने इसे आंतरिक मामला बताते हुए किसी देश को टिप्पणी न करने की बात कही।

प्रदर्शनकारियों ने रहमान के आवास में आग लगाई- बता दें कि बांग्लादेश में कई दिनों से एक बार फिर हिंसा भड़की हुई है। हजारों प्रदर्शनकारियों ने शेख मुजीबुर रहमान के 32 धानमंडी स्थित ऐतिहासिक आवास को आग के हवाले कर तोड़ डाला।

प्रदर्शनकारियों का मन इतने तक से नहीं भरा, भीड़ इसके बाद रहमान के घर पर बुलडोजर ले आई और उससे हमला किया। रहमान ने इसी आवास से बांग्लादेश का मुक्ति संग्राम शुरू किया था।

भारत ने क्या कहा था?

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मुजीबुर रहमान के आवास पर आगजनी की घटना की निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि ये आवास कब्जे और उत्पीड़न की ताकतों के खिलाफ बांग्लादेश के लोगों की लड़ाई का प्रतीक था।

जो लोग बांग्ला पहचान और गौरव को महत्व देते हैं उनके लिए ये आवास काफी महत्वपूर्ण है।

तालिबान के खिलाफ जिन्होंने की मदद, ट्रंप ने उन्हीं को दिया बड़ा धोखा; उम्मीदों पर फिर गया पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तालिबान और आईएस के लड़ाकों के खिलाफ अमेरिकी सेना की मदद करने वाले अफगानी नागरिकों का जीवन अधर में लटक गया है। ऐसा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लिए गए नए निर्णयों के कारण हुआ है।

इन लोगों में वे लोग भी शामिल हैं, जिन्होंने अमेरिका के सबसे लंबे युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना की मदद के लिए चालक और अनुवादक के रूप में काम किया। इन लोगों को अमेरिका में बसाए जाने की उम्मीद थी, लेकिन ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया है।

अफगान असमंजस में- ट्रंप द्वारा जारी कार्यकारी आदेशों से अब अफगानों को अमेरिका में सुरक्षा प्रदान करने वाले कार्यक्रम समाप्त हो गए हैं। इससे अमेरिका की मदद करने वाले अफगान असमंजस में हैं। अमेरिका के नए राष्ट्रपति की कार्रवाई से प्रभावित लोगों में शामिल रौशनगर ने कहा कि एसोसिएटेड प्रेस केवल उनके पहले नाम का उपयोग करे, क्योंकि उन्हें तालिबान का डर है। इस तरह के बहुत से अफगान लोग हैं, जिन्हें मदद के बदले अमेरिका ने बेहतर जिंदगी देने का वादा किया था, लेकिन ट्रंप के कदमों के कारण अब उनकी स्थिति अंधकारमय नजर आ रही है।

अफगानिस्तान में पुलिस ने भीख मांगने की संस्कृति को खत्म करने के लिए पिछले साल देशभर से 34 हजार से अधिक भिखारियों को गिरफ्तार किया है।

खेत में मिली दो कब्रें, पुलिस ने खोदा तो 49 लाशें थीं दफन; गोली मारकर उतारा गया मौत के घाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और यूरोप में अच्छी जिंदगी की चाहत में लोग अपना वेतन छोड़ जाते हैं। मगर उनकी मुश्किलें काम नहीं होती हैं। अवैध रास्तों में उन्हें यातनाओं का सामना करना पड़ा है। कई बार उन्हें मौत के घाट भी उतरना पड़ता है। प्रवासियों से जुड़ी एक दिल दहला देने वाली खबर लीबिया से सामने आ रही है। यहां पुलिस को दो कब्र मिली हैं। इनमें 59 प्रवासी लोगों के शव दफन हैं।

लीबिया के अधिकारियों के मुताबिक दक्षिण-पूर्वी रेगिस्तान में दो सामूहिक कब्रों से करीब 49 शव मिले हैं। सभी शव यूरोप जाने वाले प्रवासियों के हैं। सुरक्षा निदेशालय ने कहा कि पहली सामूहिक कब्र शुक्रवार को दक्षिण-पूर्वी शहर कुफरा में एक खेत में मिली है। इसमें 19 शव दफन हैं। फेसबुक में पोस्ट तस्वीरों में पुलिस अधिकारी और चिकित्सक रेत में खुदाई करते दिख रहे हैं। कब्र से शवों को निकाला जा रहा है।

अल-अबरीन चैरिटी का कहना है कि कब्र में दफनाने से पहले कुछ लोगों को गोली मारी गई। कुफरा में सुरक्षा कक्ष के प्रमुख मोहम्मद अल-फदील ने बताया कि मानव तस्करी केंद्र पर छापा मारने के बाद कुफरा में एक कब्र और मिली है।

मुझे रोक सको तो रोक लो...; कौन हैं अरविंद श्रीनिवास जिसने यूएसएआईडी पर टेस्ला के सीईओ को दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट को बंद करने की Elon Musk की मांग के बाद Perplexity AI के भारतीय मूल के CEO अरविंद श्रीनिवास ने टेस्ला फाउंडर को चुनौती दे दी।

एआई सर्च इंजन परप्लेक्सिटी एआई के भारतीय मूल के सीईओ अरविंद श्रीनिवास विवादों में कोई नया नाम नहीं हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने टेस्ला समकक्ष एलन मस्क को चुनौती दी कि अगर वह कर सकते हैं तो उन्हें संघीय एजेंसी से एक बड़ी राशि जुटाने से रोकें।

बता दें उनका यह पोस्ट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क द्वारा संघीय एजेंसी को बंद करने के एलान के कुछ दिनों बाद आया है। एक संघीय न्यायाधीश ने 2,200 यूएसएआईडी कर्मचारियों को पेड लीव पर रखने की प्रशासन की योजना पर अस्थायी रोक लगाने का आदेश दिया।

कौन है अरविंद श्रीनिवास- अरविंद श्रीनिवास पर्पलेक्सिटी एआई के सह-संस्थापक और सीईओ हैं, जो जेफ बेजोस सहित प्रमुख निवेशकों की तरफ से समर्थित एआई-संचालित सर्च इंजन है।

2022 में स्थापित, पर्पलेक्सिटी एआई की स्थापना श्री श्रीनिवास ने एंडी कोन्विंस्की, डेनिस यारात्स और जॉनी हो के साथ की थी।

अरविंद श्रीनिवास आईआईटी-मद्रास के पूर्व छात्र हैं, जिन्होंने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले से अपनी पीएचडी पूरी की।

श्री श्रीनिवास ने अपना करियर ओपनएआई में एक रिसर्च ट्रेनर के रूप में शुरू किया, बाद में त्रश्शद्दद्यद्ग और डीपमाइंड जैसी प्रमुख तकनीकी कंपनियों में समान भूमिकाएं निभाईं।

ट्रंप का एक और चौंकाने वाला फैसला, अब अमेरिका में नहीं बनेंगे नए सिक्के; ट्रेजरी को दिया निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा एलान किया है। ट्रंप ने नए सिक्के की ढलाई रोकने के लिए ट्रेजरी को निर्देश दिया है। ट्रंप ने इसके पीछे अधिक लागत का हवाला दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक सेंट के सिक्के के उत्पादन की लागत का हवाला देते हुए ट्रेजरी विभाग को नए पैसे का खनन बंद करने का निर्देश दिया है।

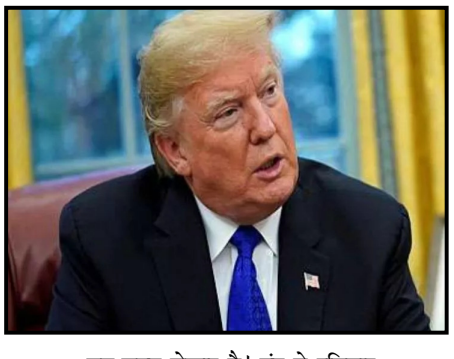

ट्रंप ने कहा, बहुत लंबे समय से संयुक्त राज्य अमेरिका ने पेनीज का खनन किया है जिसकी कीमत सचमुच हमें 2 सेंट से अधिक है। यह बहुत बेकार है! ट्रंप ने रविवार रात अपनी ट्रुथ सोशल साइट पर एक पोस्ट में लिखा। मैंने अमेरिकी ट्रेजरी के अपने सचिव को नए पैसे का उत्पादन बंद करने का निर्देश दिया है।

क्या है ट्रंप का नया प्लान- ट्रंप के नए प्रशासन का ध्यान लागत में कटौती करने, संपूर्ण एजेंसियों और बड़ी संख्या में संघीय कार्यबल को बर्खास्त करने पर केंद्रित है।

ट्रेजरी को लेकर एलन मस्क को झटका- बता दें कि अरबपति कारोबारी एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) की ट्रेजरी विभाग के दस्तावेजों तक पहुंच को रोक दिया गया है। इसको लेकर अमेरिका के एक जज ने शनिवार को आदेश जारी किया। इन दस्तावेजों में सोशल सिक्योरिटी नंबर और बैंक खाता नंबर जैसे निजी डाटा शामिल हैं।

पाकिस्तान में सुरक्षाबलों ने 7 आतंकियों को किया ढेर, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में सबसे अधिक हमले

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में सुरक्षाबलों ने सात आतंकवादियों को मार गिराने में सफलता हासिल की है। सेना ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग ऑपरेशन में इन आतंकियों को ढेर किया है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा, 8और 9 फरवरी की रात को सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की कथित मौजूदगी पर डेरा इस्माइल खान जिले के मद्दी में आईबीओ ऑपरेशन चलाया। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के ठिकाने को निशाना बनाया। इसमें तीन आतंकियों की जान गई है और दो अन्य घायल हैं।

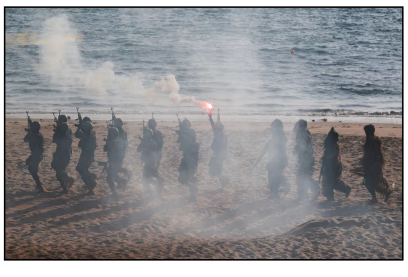

वजीरिस्तान में चार आतंकी ढेर- उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली इलाके में एक अलग अभियान चलाया गया। यहां सुरक्षा बलों ने चार आतंकियों को ढेर किया है। तीन अन्य घायल हैं। सेना की मीडिया शाखा ने कहा कि अन्य आतंकवादियों को खत्म करने के लिए सफाई अभियान शुरू किया गया है। उधर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सफल अभियान के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की। उन्होंने कहा, पूरा देश सुरक्षा बलों को सलाम करता है। हम देश से आतंकवाद को खत्म करने के लिए दृढ़ हैं।

इन दो राज्यों में सबसे अधिक हमले- यह अभियान आतंकवाद विरोधी निरंतर प्रयास का हिस्सा है। 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकी हमलों में इजाफा देखने को मिल रहा है। आतंकवाद से सबसे अधिक खैबर पख्तूनख्वा और उसके बाद बलूचिस्तान प्रभावित है।

वर्ल्ड बुक फेयर जैसे आयोजन जनोपयोगी, आचार्य बालकृष्ण ने पतंजलि के वैश्विक योगदान पर डाला प्रकाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन) के तत्वाधान में भारत मण्डपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड बुक फेयर में पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि 'वर्ल्ड बुक फेयर' जैसे आयोजन जनोपयोगी हैं जिनमें विश्वस्तरीय ज्ञानपरक साहित्य सुलभ हो पाता है।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि ने योग-आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाई है। योग के विषय में आचार्य जी ने कहा कि गौरव की बात है कि योग की स्वीकार्यता आज पूरे विश्व में हो गई है। पूरे विश्व में विभिन्न भाषा-भाषी लोग समान रूप से किसी शब्द के अर्थ को जानते हैं तो वह योग है।

आयुर्वेद अपने आप में सम्पूर्ण विज्ञान है- योग के व्यापक गहन अर्थ को न भी जानते हों तो वह इतना तो जानते हैं कि यह कुछ ब्रिदिंग एक्सरसाइज, फिजिकल एक्सरसाइज, कुछ आसन, प्राणायाम के विषय में है।

आयुर्वेद के संदर्भ में उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के रूप में स्थापित करने के लिए वैश्विक स्तर पर जो कार्य होना चाहिए था, वस्तुतः वह नहीं हुआ।

तो इस वजह से मणिपुर के सीएम ने दिया इस्तीफा... भाजपा ने खुद बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को मणिपुर से मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। पिछले कई महीनों से मणिपुर में हिंसा की वजह से स्थिति सामान्य नहीं है। इस बीच मुख्यमंत्री के इस्तीफे के कई मायने निकाले जा रहे थे। अब मणिपुर भाजपा की अध्यक्ष ए शारदा देवी ने इस्तीफे की असली वजह बताई है।

भारतीय जनता पार्टी, मणिपुर की अध्यक्ष ए शारदा देवी ने एन बीरेन सिंह द्वारा मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि, यह निर्णय क्षेत्र की शांति के लिए किया गया है।

क्या विधायकों के बीच है मतभेद - रविवार को मीडिया से बात करते हुए शारदा देवी ने बताया कि, एन बीरेन सिंह ने राज्य के लोगों के कल्याण के लिए अपना इस्तीफा दिया है। उन्होंने बताया कि, एन बीरेन सिंह ने केंद्र से मणिपुर के निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध भी किया है। इस दौरान शारदा देवी ने इस बात को भी खारिज कर दिया कि पार्टी के विधायकों के बीच कोई मतभेद है।

भाजपा नेता ए शारदा देवी ने कहा, हमारे सीएम ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। उन्होंने राज्य के लोगों के लिए इस्तीफा दिया है।

ट्रंप से मिलने को उत्सुक हूं, पुराने कामों को याद कर...; फ्रांस-अमेरिका दौरे से पहले पीएम मोदी ने बताया पूरा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पेरिस और अमेरिका यात्रा से पहले एक खास मैसेज जारी किया है। पीएम ने कहा कि वह फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं, ताकि दोनों देशों के साथ भारत के संबंधों को बढ़ावा मिल सके।

पीएम ने बताया अपना प्लान- पीएम मोदी ने आज देश से बाहर जाने से पहले एक बयान में कहा, अगले कुछ दिनों में मैं विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए फ्रांस और अमेरिका में रहूंगा। पीएम ने आगे कहा, फ्रांस में मे AI एक्शन समिट में हिस्सा लूंगा, जहां भारत सह-अध्यक्ष है। मैं भारत-फ्रांस संबंधों को मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बातचीत करूंगा। हम वहां वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करने के लिए मार्सिले भी जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि वह हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले डोनाल्ड ट्रंप से मिलने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनकी अमेरिकी यात्रा भारत-अमेरिका के रिश्तों को और मजबूत करेगी। पीएम नरेंद्र मोदी फ्रांस और अमेरिका की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए हैं, जहां वह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत करेंगे। राष्ट्रपति मैक्रों के निमंत्रण पर पीएम नरेंद्र मोदी 10-12 फरवरी तक फ्रांस में रहेंगे, जहां वह एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता करेंगे।

मैं बचपन से साध्वी हूं और आगे भी रहूंगी, ममता कुलकर्णी ने किन्नर अखाड़े के महामंडलेश्वर पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री रहीं ममता कुलकर्णी ने आज किन्नर अखाड़े के महामंडलेश्वर पद से इस्तीफा दे दिया है। जब से ममता को महामंडलेश्वर बनाया गया, तब से नया विवाद खड़ा हो गया था, जिसके बाद अब उन्होंने इस्तीफे का एलान कर दिया।

इस्तीफा देते हुए कही ये बात- ममता कुलकर्णी ने आज एक वीडियो जारी कर इस्तीफा देते हुए कहा, मैं किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर के पद से इस्तीफा दे रही हूं। मैं बचपन से ही साध्वी रही हूं और आगे भी रहूंगी।

ममता कुलकर्णी बोलीं- विवाद खत्म करना चाहती हूं। ममता ने आगे कहा कि महामंडलेश्वर का पद मुझे केवल सम्मान के रूप में दिया गया था। मैं इस्तीफा इसलिए दे रही हूं ताकि इसको लेकर विवाद खत्म हो। उन्होंने आगे कहा कि मैं शुरू से साधवी रही हूं और आगे भी रहूंगी और अखाड़ों को गलत बोलना सही नहीं है।

उन्होंने कहा कि मैंने ये देखा कि मेरे महामंडलेश्वर बनने से कई लोगों को दुख था और वो एक दूसरे से झगड़ रहे हैं, यही कारण है कि मैं इस्तीफा दे रही हूं।

किन्नर अखाड़े ने दी थी महामंडलेश्वर की उपाधि- ममता कुलकर्णी ने बीते दिनों प्रयागराज में महाकुंभ पहुंचकर अपना पिंडदान किया और संन्यास की दीक्षा ली थी। इसके बाद उन्हें यामाई ममता नंद गिरी का नाम दिया गया। किन्नर अखाड़े ने ममता कुलकर्णी का पट्टाभिषेक कर उन्हें महामंडलेश्वर की उपाधि दी थी। इससे वह अखाड़े की साध्वी के रूप में जानी जाने लगी थी।

आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने दी थी दीक्षा - किन्नर अखाड़े के आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने उन्हें दीक्षा दी थी। पट्टाभिषेक के बाद ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर की पदवी दी गई और उनको नया नाम श्री यामाई ममता नंद गिरि दिया गया। इसके पहले उन्होंने एक वीडियो भी जारी किया था, जिसमें में उन्होंने बताया कि साध्वी बनने के बाद वे संगम, काशी और अयोध्या की यात्रा करेंगी।

पुलिस से कविता समझने में गलती हुई... कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया था। जिसमें वो हाथ हिलाते हुए चल रहे थे और उनपर फूलों की पंखुड़ियां बरसाई जा रही थी। इस 46 सेकेंड के वीडियो में बैकग्राउंड से एक गाने की आवाज भी आ रही थी।

इसी गाने को लेकर गुजरात पुलिस ने कांग्रेस सांसद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। गुजरात पुलिस का आरोप था कि, इस गाने के बोल भड़काऊ, राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले थे। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट से प्रतापगढ़ी को बड़ी राहत मिली है।

सुप्रीम कोर्ट ने वकील को समझाया कविता का सही मतलब - सुप्रीम कोर्ट ने इमरान प्रतापगढ़ी पर एफआईआर दर्ज करने के मामले को लेकर गुजरात पुलिस से सवाल किया है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और उज्जवल भूइयां की पीठ ने कहा कि गुजरात उच्च न्यायालय, जिसने एफआईआर को रद्द करने के लिए प्रतापगढ़ी की याचिका को रद्द कर दिया था, लेकिन कविता के अर्थ की सराहना नहीं की।

पीठ ने कहा, अंततः यह एक कविता है। यह किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं है। यह कविता परोक्ष रूप से कहती है कि भले ही कोई हिंसा में शामिल हो, हम हिंसा में शामिल नहीं होंगे। कविता यही संदेश देती है। यह किसी विशेष समुदाय के खिलाफ नहीं है।

अगली बार दिमाग लगाकर आना- सुप्रीम कोर्ट

राज्य के वकील द्वारा जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगने के बाद शीर्ष अदालत ने मामले को तीन सप्ताह के लिए टाल दिया है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने राज्य के वकील से कहा है कि, अगली बार दिमाग लगाकर अदालत में वापस आना।

शीर्ष अदालत ने 21 जनवरी को कथित तौर पर एक उत्तेजक गीत का संपादित वीडियो पोस्ट करने के मामले में प्रतापगढ़ी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगा दी थी और उनकी अपील पर गुजरात सरकार और शिकायतकर्ता किशनभाई दीपकभाई नंदा को नोटिस जारी किया था।

जनगणना क्यों नहीं करा रही सरकार? सोनिया ने पूछे सवाल; 14 करोड़ लोगों को कौन खिलाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने राज्यसभा के शून्यकाल के दौरान जाति जनगणना को लेकर केंद्र की मोदी सरकार को जमकर घेरा है। सोनिया गांधी ने जल्द से जल्द जाति जनगणना कराने की मांग उठाई है।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने जाति जनगणना की मांग उठाते हुए कहा है कि, ये जल्द होना चाहिए जिससे सभी पात्र व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत गारंटीकृत लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि, खाद्य सुरक्षा विशेषाधिकारी नहीं बल्कि नागरिकों का मौलिक अधिकार है।

सोनिया गांधी ने बताया कि, यूपीए सरकार के दौरान इस कानून को लाया गया था जिसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों को खाद्यान्न और पोषण मिल सके ये सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा कि, इस कानून की मदद से लाखों लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने में मदद की है और कोरोना काल के दौरान इस कानून से लोगों को काफी मदद मिली है। पात्र लोगों को नहीं मिल रहा राशण

सोनिया गांधी ने एनएफएसए के तहत लागू की गई प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि, एनएफएसए एक्ट ही इस योजना के लिए आधार उपलब्ध कराता है। इस योजना के तहत 75 प्रतिशत ग्रामीण और 50 फीसदी शहरी क्षेत्र के लोगों को खाद्यान्न में सब्सिडी मिलती है, जिससे गरीब लोगों को काफी ज्यादा फायदा पहुंचा है।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि, साल 2011 की जनगणना के आधार पर ही हस्स्र का आंकड़ा आधारित है जबकि एक दशक से अधिक का समय बीत चुका है। सोनिया गांधी ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि, इतने सालों में जनगणना क्यों नहीं कराई गई है? जबकि ये हर 10 साल पर होती है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com
jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 माघ शुक्ल चतुर्थदशी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

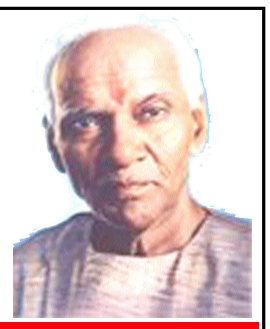

संपादकीय

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम ने बेटे को प्राथमिकता देने के मुद्दे पर सफलतापूर्वक जागरूकता बढ़ाई है...

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम ने बेटे को प्राथमिकता देने के मुद्दे पर सफलतापूर्वक जागरूकता बढ़ाई है, लेकिन अपर्याप्त कार्यान्वयन और निगरानी के कारण, यह अपने वर्तमान स्वरूप में अपने मुख्य लक्ष्य को प्राप्त करने में विफल रहा है। 22 जनवरी, 2015 को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी, जिसका उद्देश्य लिंग-भेदभाव को रोकना, बालिकाओं को जीवित रखना और उनकी शिक्षा को आगे बढ़ाना था। भले ही बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम ने लिंग भेदभाव के बारे में बहुत जरूरी जागरूकता पैदा की है, लेकिन अपर्याप्त कार्यान्वयन और निगरानी के कारण यह अपने मुख्य लक्ष्य से भटकता नज़र आता है जबकि यह अपने दसवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। भारत में युवा लड़कियों को अपने जीवन भर कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है और बेटे को प्राथमिकता देने और प्रतिगामी सत्ता संरचनाओं जैसे पितृसत्तात्मक सामाजिक मानदंडों के परिणामस्वरूप आर्थिक अवसरों को खोना पड़ता है जो उनके अस्तित्व और शिक्षा में बाधा डालते हैं।बेटे को प्राथमिकता देने वाले सामाजिक मानदंडों में यह कथन शामिल है कि ÷बेटी की परवरिश पड़ोसी के बगीचे में पानी देने जैसा है। दृष्टिकोण बदलने के लिए सिर्फ़ वित्तीय प्रोत्साहन से ज़्यादा की ज़रूरत है।

हरियाणा में एक कहावत है, ÷बेटी नहीं बचाओगे, तो बहू कहाँ से लाओगे?÷ हालांकि यह मान लेना गलत है कि सभी बेटियाँ भावी दुल्हन हैं, फिर भी यह मुहावरा एक ऐसे राज्य में लिंग-चयनात्मक गर्भपात के गंभीर परिणामों की ओर ध्यान आकर्षित करने में प्रभावी है, जो दशकों से ÷बेटियों की कमी÷ से जूझ रहा है। स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आय में प्रगति के बावजूद भारत का जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) कम बना हुआ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5, 2019-21) द्वारा एसआरबी को प्रति 1,000 लड़कों पर 929 लड़कियाँ बताया गया। यह एनएफएचएस-4 (2015-16ः प्रति 1,000 लड़कों पर 919 लड़कियाँ) की तुलना में थोड़ा सुधार है, लेकिन यह अभी भी एक निरंतर लिंग पूर्वाग्रह दिखाता है। ऐतिहासिक रूप से कुछ राज्यों में, विशेष रूप से उत्तरी और पश्चिमी भारत में अधिक विषम अनुपात रहे हैं।

1994 के गर्भाधान पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम के बावजूद, जन्मपूर्व लिंग निर्धारण तकनीकों द्वारा लिंग-पक्षपाती लिंग चयन संभव हो गया है। धनी आर्थिक समूहों और उच्च जातियों में पुरुषों के प्रति झुकाव वाली एसआरबी की दर अधिक है, जो यह दर्शाता है कि मौद्रिक प्रोत्साहन अकेले पर्याप्त निवारक नहीं हो सकते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के लागू होने के बाद से हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में एसआरबी में सुधार हुआ है। दक्षिणी और पूर्वी राज्यों में एसआरबी में गिरावट आ रही है, जिन्हें आम तौर पर बेहतर लिंग अनुपात के लिए जाना जाता है। यह एक चिंताजनक प्रवृत्ति है। हालाँकि दिल्ली के आसपास के राज्यों में सुधार हुआ है, लेकिन दिल्ली में भी एसआरबी में गिरावट देखी गई है। जबकि यहाँ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के लिए बुनियादी लक्ष्य और रणनीतियाँ थीं।

पीसीपीएनडीटी अधिनियम को और अधिक सख्ती से लागू करके लिंग के आधार पर लिंग चयन को प्रतिबंधित करना होगा। लड़कियों की शिक्षा, सुरक्षा और जीवन रक्षा को बढ़ाना होगा। बाल विवाह में देरी करना और महिलाओं की शैक्षिक प्राप्ति को बढ़ाना जरूरी है।

पितृसत्तात्मक मान्यताओं से निपटने के लिए राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रयासकरने होंगे। लिंग-चयनात्मक गर्भपात को रोकने के लिए, पीसीपीएनडीटी अधिनियम को मजबूत किया जाना चाहिए। वित्तीय प्रोत्साहन जैसे कि हरियाणा के लाडली और आपकी बेटी हमारी बेटी जैसे कार्यक्रम परिवारों को लड़कियों की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

जमनालाल बजाज

जमनालाल बजाज स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, उद्योगपति और मानवशास्त्री थे। वे महात्मा गाँधी के बहुत करीबी और उनके सच्चे अनुयायी थे। गाँधीजी उन्हें अपने पुत्र समान मानते थे। जमनालाल बजाज 1920 में कांग्रेस के कोषाध्यक्ष बने थे तथा इस पद पर वे जीवन भर रहे। उन्होंने वर्धा में 'सत्याग्रह आश्रम' की स्थापना की थी। इसके अलावा गौ सेवा संघ, गांधी सेवा संघ, सस्ता साहित्य मण्डल आदि संस्थाआं की स्थापना भी उनके द्वारा की गई। जमनालाल बजाज जाति भेद के विरोधी थे तथा उन्होंने हरिजन उत्थान के लिए भी प्रयत्न किया। उनकी स्मृति में सामाजिक क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने के लिये जमनालाल बजाज पुरस्कार की स्थापना की गयी है।

परिचय

जयपुर, राजस्थान के एक छोटे से गांव काशी का वास में गरीब कनीराम किसान के यहाँ जमनालाल बजाज का जन्म 4 नवम्बर, 1889 को हुआ था। वे वर्धा के एक बड़े सेठ बच्छराज के यहां पांच वर्ष की आयु में गोद लिये गये थे। सेठ वच्छराज सीकर के रहने वाले थे। उनके पूर्वज सवा सौ साल पहले नागपुर में आकर बस गये थे। विलासिता और ऐश्वर्य का वातावरण इस बालक को दूषित नहीं कर पाया, क्योंकि उनका झुकाव तो बचपन से अध्यात्म की ओर था। जमनालाल की सगाई दस वर्ष की अवस्था में हो गयी थी। तीन वर्ष बाद जब जमनालाल 13 वर्ष के हुए तथा जानकी 9 वर्ष की हुईं, तो उनका विवाह धूमधाम से वर्धा में हुआ।

जमनालाल बजाज ने खादी और स्वदेशी अपनाया और अपने वेशकीमती वस्त्रों की होली जलाई। जमनालाल जी ने अपने बच्चों को किसी फैशनेबल पब्लिक स्कूल में नहीं भेजा, बल्कि उन्हें स्वेच्छापूर्वक वर्धा में आरम्भ किये गये विनोबा के सत्याग्रह आश्रम में भेजा। सन 1922 में अपनी पत्नी को लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा कि- मैं हमेशा से यही सोचता आया हूं कि तुम और हमारे बच्चे मेरे ही कारण किसी प्रकार की प्रतिष्ठा अथवा पद प्राप्त न करें। यदि कोई प्रतिष्ठा अथवा पद प्राप्त हो, तो वह अपनी-अपनी योग्यता के बल पर हो। यह मेरे, तुम्हारे, उनके सबके हित में है।

महत्त्वपूर्ण कार्य

अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष की हैसियत से खादी के उत्पादन और उसकी बिक्री बढ़ाने के विचार से जमनालाल बजाज ने देश के दूर-दराज भागों का दौरा किया, ताकि अर्धबेरोजगारों को फायदा पहुंच सके। 1935 में गांधीजी ने अखिल भारतीय ग्रामोद्योग संघ की स्थापना की। इस नये संघ के लिए जमनालाल बजाज ने बडी खुशी से अपना विशाल बगीचा सौंप दिया, जिसका नाम गांधीजी ने स्वर्गीय मगनलाल गांधी के नाम पर मगनाडी रखा। 1936 में अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन, नागपुर के बाद तुरंत ही जमनालाल जी ने वर्धा में देश के पश्चिम और पूर्व के प्रांतों में हिंदी प्रचार के लिए, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की स्थापना की तथा उसके लिए राशि इकट्ठा की। इसके कुछ ही समय बाद वह हिन्दी साहित्य सम्मेलन, मद्रास के अध्यक्ष चुने गये। अपने इस पद का उपयोग उन्होंने राष्ट्रभाषा आंदोलन को व्यवस्थित रूप देने की दिशा में किया। जमनालाल जी इसके अतिरिक?त मन, प्राण से हिन्दू-मुस्लिम एकता और अछूतोद्धार के काम में जुट गये। वास्तव में वे देश के प्रथम नेता थे, जिन्होंने वर्धा में अपने पूर्वजों के लक्ष्मीनारायण मंदिर के द्वार 1928 में ही अछूतों के लिए खोल दिये थे। जमनालाल बजाज और उनकी पत्नी जानकी देवी अतिथियों की पसंद का बहुत खयाल रखते थे।

त्याग की दृष्टि से जमनालाल बजाज का अंतिम कार्य सर्वश्रेष्ठ रहा। देश के पशुधन की रक्षा का काम उन्होंने अपने लिए चुना था और गाय को उसका प्रतीक माना था। इस काम में वे इतनी एकाग्रता और लगन के साथ जुट गये थे कि जिसकी कोई मिसाल नहीं थी। उनका सबसे बड़ा काम गो-सेवा का था। वैसे तो यह काम पहले भी चलता था, लेकिन धीमी चाल से। इससे उन्हें संतोष न था।

उन्होंने इसे तीव्र गति से चलाना चाहा और इतनी तीव्रता से चलाया कि खुद ही चल बसे। अगर हमें गाय को जिंदा रखना है तो हमें भी उसकी सेवा में अपने प्राण खोने होंगे। जमनालाल जी कार्यकर्ताओं को केवल आर्थिक सहायता ही नहीं देते थे, वह उनके बच्चों की शिक्षा का भी प्रबंध करते थे। बीमार पड जाने पर उनकी चिकित्सा भी करवाते थे। वह ऐसे लोगों के बच्चों की सूची भी रखते थे और उनकी शादी बहुत कम खर्च में करवा देते थे। इसी कारण गांधीजी उन्हें स्नेह से शादी काका भी कहते थे।

राय बहादुर की पदवी

सन् 1918 में सरकार ने जमनालाल बजाज को राय बहादुर की पदवी से अलंकृत किया। इसके लिए जब जमनालाल बजाज ने गांधीजी से सलाह मांगी तो उन्होंने कहा- नये सम्मान का सदुपयोग करो। सम्मान और पदवी इत्यादि खतरनाक चीजे हैं। उनका सदुपयोग की जगह दुरुपयोग अधिक हुआ है। मैं चाहूंगा कि तुम उसका सदुपयोग करो। यह तुम्हारी देशभक्ति या आध्यात्मिक उन्नति के आडे नहीं आयेगा। 1920 में कलकत्ता अधिवेशन में असहयोग का प्रस्ताव पारित हुआ, तो जमनालाल जी ने अपनी पदवी लौटा दी।

जयपुर सत्याग्रह

1931 में जमनालाल जी के प्रयत्नों के कारण जयपुर राज्य प्रजा मंडल की स्थापना हुई। 1936 में यह मंडल सक्रिय रूप से काम करने लगा। 30 मार्च, 1938 को जयपुर राज्य ने अचानक एक आदेश निकाल दिया कि सरकार की आज्ञा के बिना जयपुर राज्य में किसी भी सार्वजनिक संस्था की स्थापना नहीं की जा सकेगी। इस आदेश का मुख्य निशाना प्रजा मंडल की गतिविधियों को व्यर्थ करना था। मंडल का वार्षिक अधिवेशन 8 मई व 9 मई को जमनालाल जी की अध्यक्षता में घोषित किया जा चुका था। उन दिनों जयपुर के एक अंग्रेज़ दीवान बीकैम्प सेंटजान को जमनालाल की लोकप्रियता पसंद नहीं थी। 4 जुलाई, 1938 को बात बहुत बढ़ गयी और जयपुर पुलिस ने एक रेलगाड़ी पर गोलियां चला दी। जिसमें अनेक राजपूत मरे और घायल हुए।

सीकर के राजपूत और जाट भड़क उठे और लगा कि खून की नदियां बहने लगेंगी। जब जमनालाल बजाज ने इस शर्मनाक परिस्थिति का समाचार सुना तो उन्होंने चाहा कि दोनों में सुलह हो जाये। सीकर जमनालाल जी का जन्म स्थान था। उन्होंने हिंसा के बजाय लोगों को अहिंसक बने रहने की सलाह दी। 30 दिसम्बर, 1938 को जयपुर राज्य में फैले हुए अकाल का लेखा-जोखा करने तथा राहत कार्य करने के लिए जमनालालजी सवाई माधोपुर स्टेशन पर दूसरी गाड़ी का इंतजार कर रहे थे।

इतने में इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस एफ. एस. यंग ने उनको एक आदेश दिया, जिसमें यह लिखा हुआ था कि रियासत में उनके प्रवेश और गतिविधियों के कारण शांति भंग होने का खतरा है। इसलिए वे रियासत की सीमा में प्रवेश नहीं कर सकते। किन्तु इस निषेधाज्ञा ने प्रजा मंडल की आँखें खोल दीं। इसके कारण जमनालाल जी के नेतृत्व में सत्याग्रह किया गया। अंत में जयपुर रियासत को अपनी गलती स्वीकार करनी पड़ी। इसमें कोई संदेह नहीं कि जमनालाल बजाज रियासतों में रहने वाली प्रजा के अधिकारों के सच्चे संरक्षक थे और वह अपने जीवन के अंत तक देशी राज्यों में नागरिक स्वतंत्रता के लिए अनथक संघर्ष करते रहे।

मृत्यु

1941 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में जेल से रिहाई के बाद जमनालाल जी महात्मा गाँधी की सहमति से आनंदमयी मां से मिलने और अपनी आध्यात्मिक महत्वाकांक्षा को संतुष्ट करने का उपाय जानने की दृष्टि से देहरादून गये। राजपुर आश्रम में मां से मिलने के बाद जमनालाल जी ने गांधीजी को एक पत्र लिखा-

मेरा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बहुत अच्छा है। मुझे स्वाभाविक जीवन जीने का यहां अवसर प्राप्त हुआ है। मुझे मां का स्नेह भी इस सीमा तक प्राप्त हो रहा है कि मुझे इससे संतुष्टि प्राप्त होती है।

मां अहिंसा और प्रेम की जीती-जागती मूर्ति ही हैं। वातावरण भी मौन और कीर्तन का है। मां निरक्षर हैं, किन्तु कठिन से कठिन विषयों को बड़ी स्पष्टता के साथ समझती है और सदा आनंदमयी बनी रहती हैं।

इस हफ्ते खुलेंगे आईपीओ, कमाई का मिलेगा शानदार मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस शेयर बाजार में काफी उतार-चढ़ाव दिख रहा है। कई बड़ी कंपनियों के स्टॉक 30 फीसदी से अधिक गिर चुके हैं। हालांकि, आपको आईपीओ से कमाई का मौका मिल सकता है। इस हफ्ते यानी 10 से 15 फरवरी के बीच कुल 9 आईपीओ खुलेंगे। इसमें से 2 मेनबोर्ड आईपीओ और 7 SME IPO हैं। इस हफ्ते 6 कंपनियों की स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग भी होने वाली है।

अजाक्स इंजीनियरिंग लिमिटेड मेनबोर्ड IPO आईपीओ है, जो सोमवार (10 फरवरी) से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। इसे 12 फरवरी तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। इसका इश्यू साइज करीब 1,269.35 करोड़ रुपये है। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर-फॉर-सेल है यानी कंपनी कोई नए शेयर नहीं जारी कर रही है। सिर्फ मौजूदा निवेशक अपने करीब 2 करोड़ शेयर बेच रहे हैं। आईपीओ का प्राइस बैंड 599 से 629 रुपये है। लॉट साइज 23 शेयरों का है। इसका मतलब है कि रिटेल निवेशकों को न्यूनतम 14,467 रुपये निवेश करने होगा। अलॉटमेंट 13 फरवरी और लिस्टिंग 17 फरवरी को हो सकती है।

हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज- हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज शेयर बाजार में दोबारा वापसी कर रही है। इसका आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। आईपीओ का साइज लगभग 8700 करोड़ रुपये है। यह भी पूरी ऑफर-फॉर-सेल है। इसका मतलब है कि कंपनी को आईपीओ से कोई पैसा नहीं मिलेगा। प्राइस बैंड 674 रुपये से 708 रुपये है। निवेशकों को न्यूनतम 14,868 रुपये लगाने होंगे। इसकी लिस्टिंग 19 फरवरी को हो सकती है।

SME सेगमेंट के आईपीओ - SME IPO में चंदन हेल्थकेयर लिमिटेड, वोलेर कार, पीएस राज स्टील, मैक्सवोल्ट एनर्जी इंडस्ट्रीज, एलके मेहता पॉलीमर्स, Shanmuga Hospital और क्वालिटी पावर इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट का नाम शामिल है। ये सभी आईपीओ 10 से 15 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे। SME IPO का लॉट साइज बड़ा होता है और इनमें रिटेल इन्वेस्टर्स को अमूमन 1 लाख रुपये से अधिक का निवेश करना होता है।

20त टूटकर धड़ाम हुए शराब कंपनी के शेयर, हाईकोर्ट ने खारिज की है कंपनी की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। शराब कंपनी तिलकनगर इंडस्ट्रीज के शेयर सोमवार को धड़ाम हो गए हैं। कंपनी के शेयर सोमवार को क्स्श्च में 20 पर्सेंट लुढ़ककर 293.40 रुपये पर बंद हुए हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कंपनी की याचिका खारिज कर दी थी। तिलकनगर इंडस्ट्रीज ने कुछ दूसरी कंपनियों के खिलाफ याचिका दायर की थी, जो कि अपने प्रॉडक्ट्स में उसके ट्रेडमार्क ब्रांड नेम मैन्सन हाउस और सवॉय क्लब का इस्तेमाल कर रहे हैं। तिलकनगर इंडस्ट्रीज ने अपनी याचिका में कहा था कि हर्मन जैनसेन बेवरेजेज नीदरलैंड बी.वी. और दूसरी कंपनियों ने अपने एल्कोहॉलिक प्रॉडक्ट्स में उसके ट्रेडमार्क नेम का इस्तेमाल किया।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स को पश्चिम बंगाल में मैन्सन हाउस नाम से प्रॉडक्ट्स लाने की इजाजत भी दे दी है। हालांकि, हाईकोर्ट ने ऑर्डर पर चार हफ्ते के लिए रोक लगाई है, जिससे तिलकनगर इंडस्ट्रीज को अपील करने के लिए समय मिल सके। तिलकनगर इंडस्ट्रीज ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा है, इंटरनल एसेसमेंट के मुताबिक, इससे कंपनी के बिजनेस पर कोई फाइनेंशियल इंपैक्ट नहीं पड़ेगा और कंपनी अपने हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठा रही है। तिलकनगर इंडस्ट्रीज के शेयर पिछले 5 साल में 1444 पर्सेंट चढ़ गए हैं।

ट्रंप की धमकी से सहमा बाजार, सेसेंक्स-निफ्टी हुए धड़ाम; रुपया भी फिसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस हफ्ते नए टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। इससे दुनियाभर के निवेशकों की चिंता बढ़ गई है। वैश्विक व्यापार का माहौल भी नकारात्मक हो गया है। यही वजह है कि सप्ताह के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को के इक्विटी बेंचमार्क लाल निशान पर खुले।

निफ्टी 50 सुबह 9:26 बजे तक 0.3 फीसदी गिरकर 23,493.3 पर 23,493.3 पर आ गया। वहीं. बीएसई सेंसेक्स 0.26 फीसदी गिरकर 77,640.74 पर आ गया। गिरावट का यह सिलसिला आगे भी जारी रहा। दोनों सूचकांक 9:44 बजे तक आधा-आधा फीसदी से ज्यादा गिर गए थे।

13 प्रमुख क्षेत्रों में से दस में गिरावट आई। स्मॉलकैप और मिडकैप में 0.6 फीसदी तक लुढ़क गए। मेटल इंडेक्स में सबसे अधिक 2 फीसदी की गिरावट आई। इसकी वजह ट्रंप की धमकी है। उन्होंने रविवार को कहा कि वे अमेरिकी इस्पात और एल्यूमीनियम आयात पर 25 फीसदी टैरिफ लगाएंगे।

पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को आरबीआई ने रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की थी। इसे 8वें वेतन आयोग और बजट में इनकम टैक्स में कटौती के बाद एक और बड़ा तोहफा माना जा रहा था। क्योंकि इससे होम लोन, कार लोन और दूसरे तरह के लोन के सस्ता होने की उम्मीद है। हालांकि, शेयर बाजार रेट कट और आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की टिप्पणियों से खुश नहीं दिखा।

शुक्रवार को रेट कट के एलान के फौरन बाद शेयर मार्केट आधा फीसदी तक गिर गया था। दरअसल, आर्थिक जानकारों का मानना है कि रेट कट से रुपये पर दबाव और भी अधिक बढ़ सकता है, जो पहले ही ऑल टाइम लो लेवल पर है। एक्सपर्ट मौजूदा परिस्थितियों में रेट के फायदे से ज्यादा नुकसान गिना रहे हैं।

दो महीने से कम में आधा हो गया इस शेयर का दाम, 2 दिन में 33% से ज्यादा टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में बाजार में उतरी कंपनी कैरारो इंडिया के शेयरों में तेज गिरावट आई है। कैरारो इंडिया के शेयर सोमवार को क्स्श्च में 17 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट के साथ 357.45 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयरों ने दिन के कारोबार के दौरान 352 रुपये के लेवल को छुआ और 52 हफ्ते का नया लो बनाया। कैरारो इंडिया के शेयरों में दो दिन में 33 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 691.30 रुपये है।

कैरारो इंडिया के आईपीओ में शेयर का दाम 704 रुपये था। कंपनी के शेयर सोमवार को BSE में 357.45 रुपये पर बंद हुए हैं। इश्यू प्राइस के मुकाबले कैरारो इंडिया के शेयर करीब 50 पर्सेंट टूट गए हैं। कैरारो इंडिया का आईपीओ दांव लगाने के लिए 20 दिसंबर 2024 को खुला था और यह 24 दिसंबर तक ओपन रहा। कंपनी के शेयर क्स्श्च और ह्स्श्च दोनों प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। कैरारो इंडिया के शेयर 30 दिसंबर 2024 को क्स्श्च में 660 रुपये पर लिस्ट हुए थे। लिस्टिंग वाले दिन ही कंपनी के शेयर उछाल के साथ 682 रुपये के हाई तक पहुंचे और कारोबार के आखिर में 636.30 रुपये पर बंद हुए।

FD में निवेश के लिए अब भी बेहतर विकल्प, केंद्र सरकार ने TDS सीमा भी बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसी भी वर्ष की पहली तिमाही टैक्स बचत और निवेश निर्णयों के लिए महत्वपूर्ण होती है। इस समय हम सभी आर्थिक सुरक्षा को लेकर अहम फैसला करते हैं। बाजार में चल रहे उतार-चढ़ाव के बीच फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) स्थिरता, सुरक्षा और टैक्स लाभ प्रदान करने वाला एक विश्वसनीय और व्यावहारिक निवेश विकल्प बना हुआ है।

बजट की हालिया घोषणाओं ने एफडी को और अधिक आकर्षक बना दिया है। सरकार ने बैंक एफडी के लिए टीडीएस सीमा बढ़ा दी है। आम व्यक्तियों के लिए यह 40 से 50 हजार रुपये और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी गई है। आइए जानते हैं एफडी में निवेश से जुड़े प्रमुख लाभों के बारे में...

बाजार में भारी अनिश्चितता- अस्थिर बाजार में स्थिर विकल्प इन दिनों वैश्विक स्तर पर राजनीतिक तनाव और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के दौर में बाजार में भारी अनिश्चितता है। दीर्घकालिक लाभ की संभावना के बीच अल्पकालिक अस्थिरता निवेशकों को चिंतित रखे हुए है।

आय कर में छूट व रेपो रेट में कटौती से भी बाजार खुश नहीं है। ऐसे समय में एफडी एक मजबूत सहारे के रूप में उभरा है। उतार-चढ़ाव से अप्रभावित सुनिश्चित रिटर्न के साथ यह जोखिम से बचने वाले निवेशकों को मानसिक शांति प्रदान करता है। नियमित आय की तलाश वाले लोगों को लिए एफडी एक बेहतर है।

सुरक्षा के साथ कर लाभ- एफडी बचत और टैक्स दक्षता का एक आदर्श संयोजन प्रदान करता है। टैक्स बचाने वाले एफडी के माध्यम से आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की कटौती प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें पांच वर्ष का लॉक-इन पीरियड होता है।

ईएलएसएस (इक्विटी लिंक्ड से विंग स्कीम) और यूलिप (यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान) जैसे अन्य टैक्स-बचत साधनों की तुलना में एफडी सरलता और सुनिश्चित रिटर्न के कारण अधिक आकर्षक हैं।

ओवरड्राफ्ट सुविधा- आपात आर्थिक स्थितियों में एफडी निवेश बनाए रखते हुए आवश्यक धनराशि प्राप्त करने का एक बेहतरीन समाधान प्रदान करता है। ओवरड्राफ्ट सुविधा के माध्यम से बैंक एफडी को गारंटी के रूप में स्वीकार करके एक क्रेडिट लाइन उपलब्ध कराते हैं।

मुकेश अंबानी के साथ डील कर वापस आ गया यह चीनी ऐप, आते ही मचा दिया धमाल, टाटा समेत दिग्गज की बढ़ी टेंशन!

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन की कंपनी फास्ट-फैशन ब्रांड ऐप शीन को एक बार फिर 5 साल बाद भारतीय मार्केट में लॉन्च कर दिया गया है। बता दें कि इस बार शॉपिंग ऐप शीन को मुकेश अंबानी की कंपनी के साथ डील के बाद 1 फरवरी 2025 को भारत में लॉन्च किया गया है। इसे अरबपति मुकेश अंबानी के नेतृत्व में रिलायंस रिटेल ने री लॉन्च किया है। लॉन्च के साथ ही इसे जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। अब तक इस ऐप को एक लाख से ज्यादा लोगों ने डाउनलोड कर लिया है। बता दें कि कम दाम पर लेटेस्ट फैशन वियर मिल जाते हैं, यही वजह है कि इसकी भारत में पहले भी जबरदस्त पॉपुलर्टी रही है। इस ऐप पर 199 रुपये की शुरुआती कीमत में लेटेस्ट फैशन वीयर उपलब्ध हैं। बता दें कि साल 2020 में भारत ने TikTok के साथ ही शीन समेत कई चीनी ऐप्स पर बैन लगा दिया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मध्य प्रदेश के 28 जिलों में बदला मौसम, अब अगले 24 घंटों के लिए यह है अनुमान

भोपाल। प्रदेश में आ रही पश्चिमी हवा की वजह से दिन के साथ अब रात में भी तापमान बढ़ने लगा है। फरवरी में बीते 10 दिनों में रात का न्यूनतम तापमान सबसे अधिक पचमढ़ी, नर्मदापुरम, इंदौर और धार में रविवार रात 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सोमवार को रतलाम, मंडला और सिवनी में दिन का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।प्रदेश के 28 जिलों में दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा।

रात के तापमान में शुरू हुई वृद्धि की मुख्य वजह चक्रवात है।

ईरान में बना पश्चिमी विक्षोभ और राजस्थान में बना प्रेरित चक्रवात है।

इन दिनों सिस्टम की वजह से प्रदेश में हवाओं का रुख बदल गया है।

प्रदेश के चार प्रमुख नगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	31.4	14.2
इंदौर	30.4	17.2
ग्वालियर	29.1	10.0
जबलपुर	30.6	12.0

(नोट- तापमान डिग्री सेल्सियस में)

समय से पहले पकने लगी फसल, उत्पादन पर पड़ेगा असर

फरवरी की शुरुआत में ही तापमान में अचानक बढ़ोतरी होने लगी है, जिससे गर्मी का अहसास होने लगा है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जो सामान्य से अधिक है। इस असामान्य तापमान वृद्धि के कारण फसलों में फोर्स मैच्योरिटी यानी समय से पहले पकने की आशंका बढ़ गई है, जिससे उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

रायसेन जिले में धान की फसल के कारण रबी फसलों की बुआई पहले ही देरी से होती है, ऐसे में समय से पहले गर्मी आना फसलों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। हालांकि, अभी रात में ठंड बनी हुई है, जो कुछ राहत दे रही है, लेकिन दिन में लगातार बढ़ रहा तापमान किसानों के लिए चिंता का कारण बन गया है।

मौसम में बदलाव के कारण खेतों में नमी तेजी से खत्म हो रही है, जिससे फसलों को अधिक पानी की जरूरत होगी। लगातार तापमान बढ़ने से किसानों को सिंचाई पर अधिक ध्यान देना होगा। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी दिनों में तापमान और बढ़ सकता है, जिससे फसलों का उत्पादन प्रभावित हो सकता है।सेहत पर भी असर

गर्मी के असर से इंसानों के बीमार होने का खतरा भी बढ़ गया है। चिकित्सकों के अनुसार, तापमान में तेजी से बदलाव होने से वायरल और अन्य मौसमी बीमारियां बढ़ सकती हैं। ऐसे में किसानों को न केवल फसलों की देखभाल करनी होगी, बल्कि खुद को भी गर्मी से बचाने के उपाय करने होंगे।

तापमान में और आएगी तेजी

आगामी दिनों में तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान बढ़ने से फसलों की अतिरिक्त देखभाल की जरूरत पड़ेगी।

जिले में इस बार करीब करीब साढ़े 4 लाख हेक्टेयर में रबी फसलों की बुआई की गई है।

इसमें सबसे अधिक पौने तीन लाख हेक्टेयर के आसपास रकबे में गेहूं बोया गया है।

दूसरे स्थान एक लाख हेक्टेयर में चना बोया गया है, इसके अलावा मसूर 25 से 30 हजार हेक्टेयर मसूर का रकबा है।

चना और मसूर की फसल घेंटी और दाना भरने की अवस्था में है, जबकि गेहूं की फसल गभोट और बालियों में दाना पड़ने की अवस्था में है।

ऐसे में तापमान में वृद्धि से फसलों की जरूरतें भी बदल रही हैं और किसानों को सतर्क रहने की जरूरत है।

किसानों के लिए आवश्यक सलाह

गेहूं की फसल

गभोट व बाली निकलने की अवस्था ङ्क एनपीके 18-18-18 या 19-19-19 की 1 किग्रा मात्रा को 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

बालियों में दाना पड़ने की अवस्था ङ्क एनपीके 0-52-34 या 0-0-50 की 1 किग्रा मात्रा को 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

चना और मसूर की फसल

उकठा रोग (पौधों के सूखने पर नियंत्रण) ङ्क 500 ग्राम ट्राइकोडर्मा विरिडी को 10-12 तगाड़ी सड़ी हुई गोबर खाद में मिलाकर खेतों में डालें।

इल्ली नियंत्रण (चना) ङ्क प्रोफेनोफॉस 50 ईसी या क्विनालफॉस 25 ईसी की 1.5 लीटर/हेक्टेयर मात्रा का छिड़काव करें।

माहू नियंत्रण (मसूर व तिवड़ा) ङ्क इमिडाक्लोप्रिड या एसीटामिप्रिड की 125 ग्राम/हेक्टेयर मात्रा का छिड़काव करें।

सरसों की भी फसल

पत्तियों व तनों पर सफेद पाउडर दिखने पर मैन्कोजेब 75त्न की 1 किग्रा मात्रा को 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। किसान बढ़ते तापमान को देखते हुए समय पर दवाओं और उर्वरकों का प्रयोग करें, ताकि फसल का उत्पादन प्रभावित न हो।

फरवरी में इस तरह बढ़ा तापमान

दिनांक	अधिकतम	न्यूनतम
01 फरवरी	28	13
02 फरवरी	29	10
03 फरवरी	32	15
04 फरवरी	32	11
05 फरवरी	26	14
06 फरवरी	26	11
07 फरवरी	23	10
08 फरवरी	27	09

बिस्किट लेने गए बच्चे पर कुत्ते का हमला, चेहरे पर आए 20 टांके

ग्वालियर। दुकान से बिस्कुट लेने गए पांच साल के बच्चे पर कुत्ते ने हमला कर दिया। मासूम के चेहरे को कुत्ते 20-25 सेकेंड तक बुरी तरह नोंचता रहा और खाल चबा गया। बच्चे के चीखने पर स्वजन बाहर आए और उसे छुड़ाया। ये है पूरा मामला

गोल पहाड़िया मेंहदी वाले सैयद निवासी मनोज प्रजापति का पांच साल का बेटा नरसिम्हा दुकान से बिस्कुट लेने गया था। इस दौरान एक कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। कुत्ते ने नरसिम्हा को इस कदर नौंचा कि उसके चेहरे की चमड़ी निकल गई। चेहरे की कुछ चमड़ी को कुत्ते चबा ही गया।

बच्चे की चीख सुनकर परिजन व आसपास रहने वाले लोग दौड़े। उन्होंने उसे बचाया। आनन-फानन में खून से लथपथ बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बुरी तरह जख्मी होने के कारण बच्चा दो दिन से कुछ खा नहीं सका है। परिजन ने बताया कि रविवार की दोपहर बच्चे को कुत्ते ने काटा था। बैट बल्ला उठाते समय कुत्ते ने किया नरसिम्हा पर हमला नरसिम्हा की चाची गायत्री ने बताया कि नरसिम्हा हाथ में बैट बल्ला लेकर दुकान से बिस्कुट लेने गया था। उसके हाथ से बल्ला जमीन पर गिर गया था। वह बल्ला उठाने के लिए नीचे झुका ही था कि पीछे खड़े कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया, जिससे उसका चेहरा बुरी तरह जख्मी हो गया।

सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती नरसिम्हा की सर्जरी करने से पहले प्लास्टिक सर्जन की सलाह ली गई। प्लास्टिक सर्जन की सलाह के बाद सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के सर्जन डॉ जितेन्द्र ग्रोवर ने अपनी टीम के साथ सोमवार को नरसिम्हा की सर्जरी की। डॉ ग्रोवर ने बताया कि चेहरे के कुछ हिस्सा सर्जरी करने लायक नहीं था, इसलिए उसे छोड़ा गया है।

डॉ ग्रोवर का कहना था कि मासूम रविकांत के बाद यह उनकी दूसरी सर्जरी है, जिसमें कुत्ते ने बच्चे को इतनी बुरी तरह से काटा है। हालांकि बच्चे की हालत खतरे से बाहर है। 15 दिन में दूसरी घटनाकुत्ते द्वारा बच्चे को बुरी तरह से काटे जाने की 15 दिन में यह दूसरी घटना है।

25 जनवरी को शारदा बाल ग्राम आश्रम में सात वर्षीय रविकांत कुत्तों ने नोच-नोचकर खाया था, जिसमें उसके शरीर पर 17 से अधिक जगह न केवल जख्म हुए थे, बल्कि सिर के पीछे की दो इंच चमड़ी सहित बाल उखड़ गए थे। रविकांत की भी प्लास्टिक सर्जरी हुई थी।

इलाज के लिए सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां सोमवार को डॉक्टरों ने सर्जरी की। बच्चे के चेहरे पर 20 टांके लगाने पड़े। चेहरे के कुछ हिस्से पर स्किन न होने से चिकित्सक उस स्थान की सर्जरी नहीं कर सके। अब उस हिस्से की प्लास्टिक सर्जरी होगी।

भारत सरकार के '112 इंडिया' एप से भी मिलेंगी डायल-100 सहित अन्य आपातकालीन सेवाएं

भोपाल। प्रदेश के लोगों को अब पुलिस व अन्य विभागों से जुड़ी वे सभी आपातकालीन सुविधाएं मिल सकेंगी, जो '112 इंडिया' एप में उपलब्ध हैं। उदाहरण के रूप में एप के माध्यम से कोई व्यक्ति पैनिक बटन को क्लिक करता है, तो इसकी सूचना उस क्षेत्र के 112 कंट्रोल रूम में मिल जाएगी।

पुलिस मुख्यालय इस एप को डायल-100 के साथ एकीकृत करने जा रहा है। इसके लिए एजेंसी चयन की प्रक्रिया चल रही है। अभी हेल्पलाइन नंबर 112 पर कोई काल करता है, तो प्रदेश में डायल-100 के कंट्रोल रूम से कॉल जुड़ जाती है, पर इस एप के माध्यम से सुविधा नहीं मिल पा रही थी।आमजन की सुरक्षा का रखा है पूरा ध्यान

एप में आमजन की सुरक्षा से जुड़े 12 तरह के फीचर हैं। चिकित्सा और आपातकालीन सेवाएं, एंबुलेंस, फयर ब्रिगेड जैसी सुविधाएं इस एप से प्राप्त की जा सकती हैं। इसमें आपातकालीन सेवा प्राप्त करने के लिए फोटो और वीडियो अपलोड करने की सुविधा भी है।

आपातकाली हेल्पलाइन नंबरों को 112 से जोड़ा बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों को एकीकृत कर 112 से जोड़ दिया है। एप से भी सभी सुविधाएं प्राप्त की जा सकती हैं।

भोपाल में डेढ़ हजार स्थानों पर अधिक दरों पर रजिस्ट्रियां, यहां बढ़ेंगे प्रॉपर्टी के दाम

भोपाल। शहर में डेढ़ हजार से अधिक स्थानों पर बढ़ीं हुई दरों पर रजिस्ट्रियां हुई हैं। इन पर प्रापर्टी के दाम बढ़ाए जा सकते हैं। दरअसल पंजीयन और राजस्व विभाग के अधिकारियों के द्वारा एआई की मदद से सर्वे किया जा रहा है। इस सर्वे के आधार पर ही कलेक्टर गाइडलाइन 2025-26 के प्रस्ताव को तैयार किया जाएगा। पंजीयन विभाग के सूत्रों के अनुसार,वित्तीय वर्ष 2024-25 में दो हजार से अधिक स्थानों पर सर्वाधिक रजिस्ट्रियां हुई हैं। इनमें से शहरी क्षेत्र में एक हजार 500 और ग्रामीण क्षेत्र करीब 500 स्थान शामिल हैं। बता दें कि पिछले साल दूसरी बार प्रापर्टी के दाम बढ़ाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया था लेकिन बिल्डर और जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए विरोध के चलते इस पर रोक लग गई थी लेकिन अब नये सिरे से गाइडलाइन तैयार की जा रही है।इन क्षेत्रों में दोगुनी दरों पर रजिस्ट्रियां

शहर के मुख्य क्षेत्रों में तो शुरू से ही प्रापर्टी की खरीद-फरोख्त जारी है और बढ़े हुए दामों के अनुसार ही रजिस्ट्री की जा रही है।

इनमें बैरसिया रोड, लांबाखेड़ा,ईंटखेड़ी, जगदीशपुर, देवलखेड़ी, इमलिया, सेमरा, श्यामपुर, मालीखेड़ी, दामखेड़ा, कोलुआ, बिलखिरिया, खजूरी कलां, अचारपुरा, अरवलिया, परवलिया, नीलबड़, ईंटखेड़ी छाप, रातीबड़, सिकंदराबाद, समरधा, फंदा, खजूरी सड़क, परवलिया सड़क सहित आसपास के क्षेत्र शामिल हैं।

इन क्षेत्रों में जमकर जमीनों की खरीद-फरोख्त के साथ ही दोगुना दरों पर रजिस्ट्रियां भी की जा रही हैं।ऐसे किया जा रहा है सर्वेइस बार कलेक्टर गाइडलाइन संपदा साफ्टवेयर 2.0 के जरिए तैयार की जाएगी। इसमें जीआइएस के आधार पर क्षेत्रों का विश्लेषण, ग्राम निवेश का प्लान, सेटेलाइट मैप आधारित शहरीकरण का क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्रों की मैपिंग और सिंचित जमीन को आधार बनाया गया है।

इसमें एआई तकनीक की मदद ली जा रही है। सर्वे कर प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया के बाद उप जिला मूल्यांकन और जिला मूल्यांकन की सहमति के बाद प्रस्ताव केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजा जाएगा। जहां से सहमति मिलने के बाद नये वित्तीय वर्ष 2025-26 अप्रैल से नई दरें लागू की जाएंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश टेक्सटाइल और परिधान उद्योग के क्षेत्र में अपार संभावनाओं वाला राज्य बन चुका है

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश टेक्सटाइल और परिधान उद्योग के क्षेत्र में अपार संभावनाओं वाला राज्य बन चुका है। राज्य की समृद्ध कृषि पृष्ठभूमि, पारंपरिक बुनकर समुदायों की उत्कृष्ट कला, आधुनिक औद्योगिक आधार और निवेशक-अनुकूल नीतियाँ प्रदेश को इस क्षेत्र में अग्रणी बना रही हैं। सरकार के सुविचारित प्रयासों से मध्यप्रदेश तेजी से भारत के प्रमुख टेक्सटाइल और गारमेंट हब के रूप में उभर रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 इस औद्योगिक यात्रा को और गति देने का माध्यम बनेगा, जहाँ दुनिया भर के निवेशकों को प्रदेश में उपलब्ध अवसरों से अवगत कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का टेक्सटाइल उद्योग केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण मूल्य श्रृंखला का निर्माण कर रहा है, जिसमें कच्चे माल के उत्पादन से लेकर परिधान निर्माण और वैश्विक निर्यात तक सभी चरण शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश, भारत के 43त्न और वैश्विक स्तर पर 24त्न ऑर्गेनिक कॉटन उत्पादन में योगदान देता है। यह आंकड़ा न केवल प्रदेश की क्षमता को दर्शाता है, बल्कि इसे पर्यावरणीय रूप से सतत और उच्च गुणवत्ता वाले वस्त्र निर्माण के लिए एक आदर्श स्थान बनाता है।

कपास, रेशम और आधुनिक फाइबर ङ्क मध्यप्रदेश की बुनियादी ताकत- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश कपास उत्पादन में अग्रणी है। साथ ही यहाँ का रेशम उद्योग भी लगातार विस्तारित हो रहा है। राज्य प्रतिवर्ष 200 टन से अधिक रेशम उत्पादन करता है, जिससे परंपरागत हथकरघा और आधुनिक सिल्क उत्पाद दोनों को बढ़ावा मिल रहा है। इसके अलावा, मध्यप्रदेश आधुनिक कृत्रिम फाइबर उत्पादन के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे टेक्निकल टेक्सटाइल और स्पेशलिटी फाइबर निर्माण को बल मिल रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार जिले में विकसित किया जा रहा पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल पार्क प्रदेश के कपड़ा उद्योग को नया आयाम देगा। 2,100 एकड़ में फैले इस पार्क में टेक्सटाइल और गारमेंट उद्योगों के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचा उपलब्ध होगा। यह पार्क न केवल निवेश आकर्षित करेगा, बल्कि प्रदेश को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भी बनाएगा।

पारंपरिक कला और आधुनिक टेक्सटाइल अनूठा संगम- मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि प्रदेश की पहचान केवल बड़े कपड़ा उद्योगों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ की पारंपरिक कला भी टेक्सटाइल क्षेत्र की एक बड़ी ताकत है। चंदेरी, महेश्वरी, बाग प्रिंट, बाटिक प्रिंट और जरी-जरदोजी जैसे उत्कृष्ट हथकरघा उत्पाद मध्य प्रदेश की विरासत को दर्शाते हैं इन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। महेश्वरी साड़ी, बाग पैटर्न और चंदेरी कॉटन को जीआई टैग प्राप्त हो चुका है, जिससे इन उत्पादों की ब्रांडिंग और बाजार में स्थिति और मजबूत हुई है।प्रदेश में 60 से अधिक बड़ी कपड़ा मिल्स, 4,000 से अधिक करघे और 25 लाख स्पिंडल्स कार्यरत हैं। इंदौर, भोपाल, उज्जैन, धार, देवास, ग्वालियर, छिंदवाड़ा और जबलपुर प्रमुख टेक्सटाइल हब के रूप में विकसित हो रहे हैं। इंदौर का रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर 1,200 से अधिक इकाइयों के साथ प्रदेश में रेडीमेड वस्त्र निर्माण की प्रमुख इकाई बन चुका है। यहाँ स्थित अपैरल डिजाइनिंग सेंटर और स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन उद्योगों को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान कर रहे हैं।टेक्सटाइल उद्योग में निवेश को नई ऊँचाइयाँ देने के लिए सरकार की पहल- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कई आकर्षक नीतियाँ लागू कर रही है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत टेक्सटाइल क्षेत्र में 3,513 करोड़ रूपये का निवेश आकर्षित किया है। यह निवेश प्रदेश को उच्च गुणवत्ता वाले वस्त्र निर्माण और निर्यात में अग्रणी बनाएगा।सरकार उद्योगों को बिजली और पानी न्यूनतम दरों पर उपलब्ध करा रही है। साथ ही, जीएसटी में छूट, टैक्स रिबेट और अन्य प्रोत्साहनों के माध्यम से निवेशकों को लाभ पहुँचाया जा रहा है। कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने विशेष रूप से कस्टमाइज्ड इन्सेंटिव पैकेज भी तैयार किया है, जो उद्योगों को उनकी निवेश आवश्यकताओं के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

वैश्विक टेक्सटाइल कंपनियों की पसंद बन रहा है मध्यप्रदेश- मध्यप्रदेश पहले से ही ट्राइडेंट ग्रुप, रेमंड, आदित्य बिड़ला, वर्धमान टेक्सटाइल, गोकलदास एक्सपोर्ट्स, सागर ग्रुप, नाहर स्पिनिंग मिल्स, ङ्कलहरु इंदोरामा और भास्कर जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इन कंपनियों द्वारा प्रदेश में लगातार हो रहा निवेश, सरकार की नीतियों और उद्योग के अनुकूल वातावरण का प्रमाण है।

इन कंपनियों की सफलता अन्य निवेशकों को भी आकर्षित कर रही है और आने वाले वर्षों में प्रदेश कपड़ा और परिधान क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 इस औद्योगिक परिवर्तन को नई दिशा देगा।

अनपढ़ कहकर पति ने दिया तीन तलाक, पत्नी ने दर्ज कराया दहेज प्रताड़ना का केस

इंदौर। इंदौर की एक महिला अलवीना बी को उसके पति आदिल खिलजी ने तीन तलाक दे दिया। पति का कहना था कि अलवीना अनपढ़ और उजड्ड है। इसके साथ ही उसे ससुराल वालों ने दहेज के लिए भी प्रताड़ित किया। महिला ने अपने मायके से इंदौर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आदिल खिलजी, अब्दुल सतार और अनीशा बी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह घटना 30 जून 2024 की है। महिला के दो बच्चे भी हैं। अलवीना बी ने बताया कि उसकी शादी 13 दिसंबर 2018 को मुस्लिम रीति-रिवाज से हुई थी। शादी में उन्होंने दहेज भी दिया था। लेकिन शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज के लिए परेशान करने लगे। जब उसने अपने पति को यह बात बताई तो

उन्होंने भी अपने माता-पिता का साथ दिया। उन्होंने अलवीना से और पैसे लाने को कहा। सास भी छोटी-छोटी बातों पर ताने मारती थीं। पति शादी के बाद दूसरी लड़की से करता था बात

अलवीना ने आगे बताया कि उसका पति शादी के बाद भी दूसरी लड़की से बात करता था। जब अलवीना ने उसे पकड़ लिया तो उसने विवाद खड़ा कर दिया। उसे अनपढ़ और असभ्य कहने लगा। पति ने उसे घर से निकालते हुए कहा कि मैं अपनी मर्जी का मालिक हूं जो मन होगा करूंगा। अलवीना ने यह बात अपने सास-ससुर को बताई तो उन्होंने भी उसे चुप रहने के लिए कहा।

मारपीट के बाद तीन तलाक- 30 जून 2024 को विवाद इतना बढ़ गया कि सास-ससुर और पति ने अलवीना के साथ मारपीट की। इसके बाद पति ने तीन बार तलाक बोलकर रिश्ता तोड़ दिया। उन्होंने अलवीना को उसके दोनों बच्चों के साथ घर से बाहर निकाल दिया। उन्होंने उसे कपड़े तक नहीं दिए। मजबूरन अलवीना ने अपनी मां को फोन किया। मां आकर उसे अपने साथ ले गईं। अलवीना पिछले छह महीने से अपनी मां के साथ रह रही है।

अलवीना के परिवार को इस पूरी घटना से झटका लगा है। अलवीना ने अपनी शिकायत में यह भी बताया कि उसका सारा दहेज अभी भी ससुराल में रखा है, जिसे वे वापस नहीं कर रहे हैं। खजराना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

52वाँ अन्तर सीमांत प्लाटून वेपन शूटिंग प्रतियोगिता शुरु

इंदौर। 52वाँ अन्तर सीमांत प्लाटून वेपन शूटिंग प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन 10 फरवरी से 15 फरवरी 2025 तक किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता सीमा सुरक्षा बल के इंदौर स्थित रेवती रेंज उज्जैन रोड कैंपस में आयोजित की जा रही है। शूटिंग प्रतियोगिता की ओपनिंग सेरेमनी 10 फरवरी को सुबह 9.40 बजे से आयोजित की जाएगी। मुख्य अतिथि सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक (आईपीएस) श्री दलजीत सिंह होंगे। इस विशाल इवेंट में विभिन्न सीमान्तों के 800 से भी ज्यादा कार्मिक जिसमें पुरुषों के साथ-साथ महिला खिलाड़ी व ऑफिसियल्स भी शामिल हो रहे है। इस छः दिवसीय आयोजन में कुल 11 प्लाटून वैपन स्पर्धाएं आयोजित की जा रही है, जिसमें 10 स्पर्धाएं उज्जैन रोड स्थित रेवती रेंज सीमा सुरक्षा बल पर तथा 51 एमएम मोर्टार की एक स्पर्धा महू स्थित हेमा रेंज पर आयोजित की गई।

मंत्री श्री सिलावट ने दी सवा आठ करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि इंदौर प्रदेश का ही नहीं अपितु देश का अग्रणी शहर बन रहा है। यहाँ समस्त नागरिक सुविधाएँ सुलभ है और सम्पूर्ण इंदौर का चहुंमुखी विकास किया जा रहा है। मंत्री सिलावट आज सांवेर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत इंदौर नगर निगम के झोन-17 के वार्ड क्रमांक 19 में विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण कर रहे थे। इस अवसर पर वार्ड 18 एवं 19 की पार्षद श्रीमती संध्या जायसवाल एवं श्रीमती सोनाली बिज्जू परमार, श्री लोकेश लकी अवस्थी एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण इस अवसर पर उपस्थित थे।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने सांवेर विधान सभा में झोन क्रमांक 17 के वार्ड नम्बर 19 के अंतर्गत जनकार्य एवं ड्रेनेज विभाग के कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया। जिसमें जनकार्य एवं ड्रेनेज विभाग के 6 कार्यों का भूमिपूजन किया, जिनकी कुल लागत 4 करोड़ 17 लाख 23 हजार 956 रुपए है। भूमि पूजन कार्यों में झोन 17 के वार्ड नंबर 19 में 21 लाख 54 हजार 620 रुपये की लागत से कुमेड़ी के रवि रावल के घर के पास से फायर स्टेशन तक सीमेंट का कंक्रीट रोड का निर्माण, 72 लाख 4 हजार 116 रुपए की लागत से मानसिंह गहलोत के घर से मुक्तिधाम तक के क्षतिग्रस्त सड़क का सीमेंट कंक्रीट करना, 49 लाख 99 हजार 932 रुपए की लागत से ग्राम कॉमेडी में शासकीय स्कूल के सामने निगम/शासकीय भूमि पर सामुदायिक भवन का निर्माण, एक करोड़ 66 लाख 95 हजार 78 रुपए की लागत से वार्ड क्रमांक 19 में करोल बाग से प्रीमियम पार्क का को जोड़ने वाली क्षतिग्रस्त लिंक मार्ग का सीमेंट कांक्रीट रोड का निर्माण, 74 लाख 44 हजार 882 रुपए की लागत से ग्राम कॉमेडी गांव में स्थित निर्वाण होटल के सामने से कॉमेडी पुलिया तक वर्षा के पानी की निकासी हेतु स्ट्रांग वाटर लाइन डालना तथा 29 लाख 89 हजार 328 रुपए की लागत से वार्ड नंबर 19 में ही स्थित कुमेंडी काकड़ फायर स्टेशन के सामने आंगनवाड़ी के पास सुलभ कांप्लेक्स के आगे, एमआर-10 की तरफ बस्ती में नरवल काकड़, मुकाली वाटर सप्लाई के सामने नई सीवरेज लाइन डालना आदि प्रस्तावित कार्यों का भूमि पूजन किया।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना में आवेदन की अंतिम तिथि 15 फरवरी

इंदौर। कृषकों एवं उद्यमियों के लिए प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के तहत सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाईयां जैसे आलू से निर्मित खाद्य पदार्थ, चिप्स, पाउडर, फ्लेक्स, स्टार्च, लहसुन एवं प्याज पेस्ट/पाउडर, टमाटर केच-अप, सॉस, अचार, पापड, मुरब्बा, जेम, जैली ज्यूस, चॉकलेट, बैकरी, मसाला, आटा चक्की, नमकीन, डेयरी उत्पाद, फ्रोजन उत्पाद, दाल उत्पाद, आईल, सोयाबीन एवं समस्त प्रसंस्करित खाद्य पदार्थों के नवीन उद्योगों की स्थापना तथा पूर्व से स्थापित इकाईयों के उन्नयन तथा पैकेजिंग के सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना के लिए ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना अंतर्गत इकाई लागत का 35 प्रतिशत अधिकतम 10 लाख अनुदान भी दिया जाएगा। एकल उद्योगों एवं समूहों की डी.पी.आर तैयार करने, बैंक से ऋण लेने, एफएसएसआई के खाद्य मानकों, उद्योग आधार, जी.एस.टी. आदि सहित आवश्यक पंजीकरण एवं लाइसेंस प्राप्त करने के लिए हैण्ड होल्डिंग सेवाएँ प्रदान किये जाने हेतु विभाग द्वारा अधिकृत रिसोर्स पर्सनों द्वारा निःशुल्क सेवाएँ प्रदान की जायेगी।

इन्दौर जिले में उक्त योजनान्तर्गत 200 इकाईयां स्थापित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसमें से 150 हितग्राहियों को वर्तमान तक लाभान्वित किया जा चुका है। शेष 50 के लिए आवेदन मंगाये जा रहे है।

आवेदन की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2025 है। इच्छुक आवेदक आवश्यक दस्तावेजों सहित जिला उप संचालक उद्यान कार्यालय रेसीडेंसी परिसर चिड़ियाघर के पास ए.बी. रोड इन्दौर या विकासखंड स्तर पर पदस्थ वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारियों/ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारियों से सम्पर्क कर सकते हैं।

अवैध रूप से संचालित वाहनों पर सतत कार्रवाई जारी

इंदौर। इंदौर जिले में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा अभियान चलाकर अवैध रूप से संचालित वाहनों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी सिलसिले में आज परिवहन विभाग के अमले द्वारा पिपल्याहाना चौराहे पर इंदौर से खंडवा एवं देवास रूट पर संचालित बसों की सघन चेकिंग की गई। जिसमें 18 वाहनों में कमियां पायी गई जिनसे 52 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि लोक परिवहन वाहनों, बसों, स्कूल वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। पिपल?याहाना चौराहे पर इंदौर-खंडवा तथा इंदौर-देवास रूट की बसों की सघन चेकिंग की गई। जिसमें वाहनों के फ़िटनेश, परमिट, बीमा, पीयूसी, कर प्रमाण पत्र भी चेक किये जा रहे है। लोगों को अपने वाहनों पर एचएसआरपी नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया वसूली की भी जांच की जा रही है। दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों के साथ ही लोक परिवहन वाहनों में विभिन्न कमियां पाए जाने पर 18 से अधिक वाहनों पर जुर्माना लगाया गया। इस दौरान वाहनों से 52 हजासर रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया।

अवन्तिकायाम विहिव्तारम मुक्ति प्रदायनाय च सजनाम,
अकाल मृत्यु परिरक्शनाय, वन्दे महाकाल महा सुरेश्वरम
भूतभावन भगवान श्री महाकाल महाराज सभी को आरोग्यता प्रदान करें

साइबर अपराधों के प्रति नव युवाओं की जागरूकता आवश्यक-एस पी प्रदीप शर्मा

आज के दौर में बढते सायबर क्राईम को देखते हुए मोबाईल को उपयोग सजगता से करे

उज्जैन । वर्तमान समय में साइबर अपराधों से चौकन्ना रहने की जरूरत है। बच्चे हों , युवा हों या बूढ़े हों , सभी उनके जाल में फंस जाते हैं। मोबाइल, कंप्यूटर, इंटरनेट, सोशल साइट्स का प्रयोग सावधानी पूर्वक करें। किसी भी घटना पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस कानून और व्यवस्था के साथ भय मुक्त वातावरण बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक के साथ खड़ी है। विगत दिनों उज्जैन में 5 डिजिटल अरेस्ट के प्रकरण सामने आए हैं।

हमारे साइबर सेल और पुलिस ने पांचो ही प्रकरण में अपराधियों तक पहुंचकर उन्हें गिरफ्त में लिया है। यह उद्गार उज्जैन के पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। वे प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय माधव

महाविद्यालय में साइबर सुरक्षा अभियान के अंतर्गत सेफ क्लिक सेमिनार के शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो कल्पना वीरेंद्र सिंह ने कहा कि कॉलेज के विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से सजग रहने की आवश्यकता है। उन्हें मोबाइल का संचालन सावधानी पूर्वक करना चाहिये।

इंटरनेट से ठगी के अनेक प्रकरण

जीवाजीगंज सीएसपी सुमित अग्रवाल ने सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि इस समय इंटरनेट से ठगी के अनेक प्रकरण हो रहे हैं। इससे बचने के लिए सजगता के साथ जानकारी का होना भी आवश्यक है।

सायबर क्राईम के बचाव के तरीके बताए

साइबर सेल प्रभारी प्रतीक यादव ने बचाव के तरीकों को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया। शासकीय पुलिस अधिवक्ता नितेश कृष्णन एवं उमेश तोमर ने साइबर क्राइम को विभिन्न उदाहरणों के साथ प्रस्तुत किया। जीवाजी गंज थाना प्रभारी विवेक कनोडिया ने सेमिनार में विषय प्रवर्तन करते हुए सुरक्षित क्लिक सुरक्षित जीवन की अवधारणा को प्रस्तुत किया। माधव कॉलेज के कम्प्यूटर विभाग, अपराध शास्त्र विभाग, आई.क्यू.ए.सी. एवं उज्जैन पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में साइबर सुरक्षा अभियान के अंतर्गत सेमिनार का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. जफ़र महमूद ने किया।

श्री चैतन्य वीर तेजाजी मंदिर पर मनाया जाएगा श्री वीर तेजाजी महाराज का जन्मोत्सव

सुंदरकांड, हवन पूजन, शाम को आरती, महाप्रसादी का होगा वितरण

उज्जैन। श्री चैतन्य वीर तेजाजी मंदिर, नीलगंगा रोड पर आज 11 फरवरी मंगलवार को श्री वीर तेजाजी महाराज का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा। शाम 5 बजे से सुन्दरकाण्ड एवं हवन-पूजन एवं शाम को आरती तथा महाप्रसादी का वितरण होगा।

श्री वीर तेजाजी भक्त मण्डल समिति के संयोजक मुरलीधर सोनी ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार सातवें वर्ष भी श्री वीर तेजाजी भक्त मण्डल समिति के तत्वावधान में आज 11 फरवरी मंगलवार माघ सूदी चौदस को वीर तेजाजी महाराज का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। उक्त जन्मोत्सव के तहत शाम 5 बजे से सुन्दरकाण्ड एवं हवन-पूजन श्री वीर तेजाजी महाराज का जन्मोत्सव का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाया जायेगा। शाम को भव्य आरती एवं महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा। श्री चैतन्य वीर तेजाजी मंदिर पर श्री खाटू श्यामजी, श्री राम दरबार, माँ कालिका, श्री तेजेश्वर महादेव, श्री गणेशजी भी स्थापित है। श्री वीर तेजाजी भक्त मण्डल समिति के संयोजक मुरलीधर सोनी एवं सदस्यगण मनीष सोनी, मनोज सोनी, सतीश परिहार, महेंद्र परिहार, नीरज परिहार, बसंत परिहार, राजू सूर्यवंशी, पं. दीपक व्यास एवं महिला सदस्य शारदा सोनी, रेखा राजपूत, हेमा शर्मा एवं समस्त वीर तेजाजी भक्त मण्डल ने उज्जैन शहर की धर्मप्रेमी जनता से अनुरोध किया है कि 11 फरवरी मंगलवार को तेजाजी महाराज के जन्मोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त कर श्री वीर तेजाजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करें।

लायंस क्लब शिप्रा की डिस्ट्रिक्ट गर्वनर यात्रा संपन्न,अश्विन चोपड़ा डिस्ट्रिक्ट पिन से सम्मानित

उज्जैन। लायंस क्लब क्षिप्रा उज्जैन में इंटरनेशनल एसोसिएशन डिस्ट्रिक्ट 3233 त्न2 के डिस्ट्रिक्ट गर्वनर स्ब्ध्स्न लायन मनीष शाह पिपरिया से सहपत्नी पधारे। उनके साथ ला.शरद द्विवेदी और ला.अशोक तोषनीवाल भी शामिल हुवे।क्लब के सदस्य द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर डिस्ट्रिक गवर्नर मनीष शाह ने क्लब के सभी सदस्यों से नए सदस्य जोड़ने का मिशन 1.5 मिलियन सदस्यता वृद्धि का संकल्प लिया साथ ही स्ब्ध्स्न बनने के लिए क्लब सदस्यों से आग्रह किया ।

संत तुकाराम महाराज के जीवन पर आधारित नृत्य नाटक 'तुका झालासे कलस' का मंचन

उज्जैन। मराठी साहित्य अकादमी, म.प्र. संस्कृति परिषद भोपाल व महाराष्ट्र समाज उज्जैन के तत्वावधान में पं. सूर्यनारायण व्यास संकुल हॉल में संत तुकाराम महाराज के जीवन पर आधारित नृत्य नाटक 'तुका झालासे कलस' का मंचन किया गया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, मराठी साहित्य अकादमी भोपाल के निदेशक संतोष गोडबोले, कालिदास अकादमी के निदेशक गोविंद गंधे, बौध्दगुरू भंतेजी भोपाल, विद्या जोशी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र समाज उज्जैन के अध्यक्ष पंकज चांदोरकर, सचिव सुशील मुले, जितेंद्र आपटे, महाराष्ट्र समाज उज्जैन के समाजजन उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत स्मृति चिन्ह भेंटकर सदाशिव नायगावकर, संजय दिवटे, विश्वास कराड़कर, प्रदीप जोग, संदीप विपट, रविंद्र मुले, मिलिंद पन्हालकर, अजीत कालकर, मनोज कार्लेकर, धनश्री काले ने किया। संचालन सुदर्शन आयाचित ने किया। प्रवक्ता संजय दिवटे के अनुसार नाटक की लेखिका अरुणा भिड़े थीं वहीं दिग्दर्शन संजय पेंडसे नागपुर का रहा। बड़ी संख्या में महाराष्ट्र समाजजनों ने नाटक देखा तथा इसकी सराहना की। आभार पंकज चांदोरकर ने माना।

विश्व दलहन दिवस पर विशेष आयोजन-दालों की पोषक दुनिया का महत्व

चने की दाल को दालों का राजा, मूंग की दाल को रानी माना गया

उज्जैन। विश्व दलहन दिवस के अवसर पर पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में एक विशेष द्विस्तरीय आयोजन आयोजित किया गया। इस अवसर पर विक्रम विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ. अर्पण भारद्वाज कुलगुरु ने शुभकामना संदेश में कहा कि चने की दाल को दालों का राजा माना जाता है, क्योंकि इसमें जिंक, कैल्शियम, प्रोटीन और फोलेट जैसे कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं। वहीं, मूंग की दाल को दालों की रानी कहा गया, जिसमें प्रोटीन, आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम और विटामिन बी जैसे तत्व समाहित होते हैं।

प्रो. भारद्वाज ने कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत में दलहन उत्पादन कुछ राज्यों और जिलों तक सीमित है। कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तरप्रदेश में दलहन फसलों के लिए अनुकूल मानसून होने के कारण इन राज्यों में तुअर, उड़द और मसूर जैसी दालों की खेती को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सामाजिक और स्वास्थ्य संदर्भ में दलहन का महत्व

आयोजन के पहले चरण में, पं. जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान के पूर्व प्रतिभाशाली विद्यार्थी और नवउद्यमी आदित्य अग्रवाल ने स्वपारिवारिक खाद्य उद्यम प्रतिष्ठान में विभिन्न प्रकार की दालों का परिचय दिया। इस दौरान शोधार्थी वसीम खान और प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता, निदेशक, पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान ने नौ प्रकार की विशेष दालों को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया।

आयोजन के दूसरे चरण में, एमबीए की प्रतिभाशाली विद्यार्थी इंजी. मेहा शर्मा ने संस्थान में नयनाभिराम दलहन रांगोली से अपनी कला का प्रदर्शन किया और सभी की प्रशंसा प्राप्त की।

प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता, निदेशक पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान ने अपने सारगर्भित विचारों में संयुक्त राष्ट के संपोषणीय विकास लक्ष्यों (एसडीजी 2 और एसडीजी 3) पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि एसडीजी 2 का उद्देश्य भूख को समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण प्राप्त करना है, जबकि एसडीजी 3 का लक्ष्य स्वास्थ्य सेवाओं की समान पहुंच और बच्चों की बाल मृत्यु दर को समाप्त करना है।

दलहन के पोषक गुण और इसके महत्व पर विचार

प्रो. डॉ. कामरान सुल्तान, प्रबंध संकाय अध्यक्ष और कार्य परिषद सदस्य ने बताया कि प्रोटीन हमारी डाइट का एक अहम हिस्सा है, और दालों में प्रोटीन, फाइबर और अमीनो अम्ल जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं। दाल में मौजूद पोषक तत्वों के कारण यह शारीरिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की जयंती पर चल समारोह कल

उज्जैन। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की जयंती के उपलक्ष में श्री रविदास सेवक संघ द्वारा 12 फरवरी को चल समारोह निकाला जाएगा। संस्था के सचिव राकेश सूर्यवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी दिनांक 12 फरवरी कल बुधवार को माघ पूर्णिमा को संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की जयंती पर श्री रविदास सेवक संघ द्वारा संस्था के अध्यक्ष मुकेश सूर्यवंशी खलीफा के नेतृत्व में एक विशाल समारोह चामुंडा माता चौराहा पशुपतिनाथ मंदिर से प्रातः 11ः00 से प्रारंभ होगा। यह विशाल चल समारोह चामुंडा माता से प्रारंभ होकर देवास गेट, मालीपुर, दौलतगंज, नई सड़क, कंठल चौराहा, सेंटर कोतवाली, के सामने से निजात पुरा होकर प्रेम छाया परिसर पहुंचेगा। इस चल समारोह में समाज की महिलाओं द्वारा कलश यात्रा, डंडा पार्टी, अखाड़ा, रविदास जी की आकर्षक झांकियां निकाली जावेगी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com